लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

गुरुवार, 28 मई, 2026

वर्ष : 11 | अंक: 272

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

"हार तो वो सबक है, जो आपको बेहतर होने का मौका देगी"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

म)पूर्व केरल सीएम पिनाराई विजयन के घर ईडी की रेड, बेटी की आईआईटी कंपनी से जुड़ा है मामला; जांच जारी

तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय ने केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से जुड़े ठिकानों पर बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। यह कार्रवाई उनकी बेटी वीणा विजयन की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, श्वष्ठ की टीमें 10 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही हैं, जिनमें पिनाराई विजयन का आवास भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड और एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस के बीच हुए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच के तहत की जा रही है। इससे एक दिन पहले, मंगलवार (26 मई) को केरल हाईकोर्ट ने मामले में अहम फैसला सुनाते हुए श्वष्ठ की मनी लॉन्ड्रिंग जांच पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को बिना औपचारिक एफआईआर के भी पूछताछ करने और समन जारी करने का अधिकार है। पूरा मामला 2019 में ष्टरूक्ररु पर आयकर विभाग की छापेमारी के बाद सामने आया था। जांच में आरोप लगा कि 2017 से 2019 के बीच ष्टरूक्ररु ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को करीब 1.72 करोड़ रुपये का भुगतान किया। आरोप है कि यह रकम बिना किसी वास्तविक आईटी या सॉफ्टवेयर सेवा के 'फर्जी खर्च के रूप में दिखाई गई। इसके बाद श्वष्ठ ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (क्करूरुर्) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। ष्टरूक्ररु के प्रबंध निदेशक एस.एन. शशिधरन कार्था और अन्य अधिकारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर श्वष्ठ द्वारा दर्ज श्वष्टढ्ढक्र और जारी समन को रद्द करने की मांग की थी।

आसाराम को हाईकोर्ट से बड़ा झटका : यौन उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा बरकरार, गैंगरेप के चार्ज हटाए; फौरन करना होगा सरेंडर

जोधपुर। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सजा काट रहे स्वयंभू बाबा आसाराम को राजस्थान हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उनकी उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए तत्काल सरेंडर करने का आदेश दिया है। आसाराम फिलहाल पैरोल पर जेल से बाहर है और अहमदाबाद में अपना इलाज करवा रहा है। हालांकि कोर्ट ने गैंगरेप के आरोप से उन्हें राहत दे दी। राजस्थान हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित शामिल थे, ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने 20 अप्रैल 2026 को अंतिम बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला वर्ष 2013 का है, जब उत्तर प्रदेश की एक नाबालिग छात्रा ने आरोप लगाया था कि जोधपुर स्थित आसाराम के आश्रम में उसके साथ यौन शोषण किया गया। मामले ने देशभर में व्यापक सुर्खियां बटोरी थीं। जोधपुर की विशेष पॉक्सो अदालत ने 25 अप्रैल 2018 को आसाराम को दोषी ठहराते हुए अंतिम सांस तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

'एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार', मतदाता सूची पुनरीक्षण की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि मुक्त और निष्पक्ष चुनाव के लिए एसआईआर जरूरी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इस साल की शुरुआत में 29 जनवरी को लंबी सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था और बुधवार को अपना फैसला सुनाया।

पीठ ने अपने फैसले में कहा कि मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कराना चुनाव आयोग का अधिकार है। एसआईआर प्रक्रिया सांविधानिक है। पीठ ने कहा, चुनाव आयोग ने शक्तियों का दुरुपयोग नहीं किया और न ही एसआईआर के दौरान नियमों के खिलाफ जाकर मतदाताओं के नाम काटे गए। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 , प्रतिनिधि कानून, 1950 के तहत एसआईआर कराने की शक्ति दी गई है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ये नहीं कहा जा सकता कि चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के जरिए अपनी वैधानिक शक्तियों के परे जाकर काम किया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की उस दलील को भी खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया कि एसआईआर लाल बाबू हुसैन मामले में दिए गए फैसले का उल्लंघन करती है। अदालत ने फैसले में कहा कि चुनाव आयोग के पास शक्ति है कि वे मतदाता सूची के उद्देश्य के लिए नागरिकता की भी जांच कर सकता है। हालांकि चुनाव आयोग ये तय नहीं कर सकता कि कौन भारतीय नागरिक है या नहीं, लेकिन मतदाता सूची के संबंध में नागरिकता संबंधी सवालों की जांच करना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में है। अदालत ने कहा प्रतिनिधि कानून की धारा 16 के तहत चुनाव आयोग के पास इसका वैधानिक अधिकार है।

अदालत ने ये भी साफ किया कि अगर आयोग को लगता है कि कोई व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने की वैधानिक शर्तें पूरी नहीं करता है तो आयोग उस व्यक्ति को सक्षम प्राधिकारी के पास भेज सकता है। मतदाता सूची से कोई भी नाम हटाना सक्षम प्राधिकारी द्वारा किए गए फैसले पर निर्भर होगा।

चुनाव आयोग मानता है एसआईआर को जरूरी

एसआईआर के खिलाफ अधिकांश याचिकाएं पिछले साल जून में दाखिल की गई थीं, जब चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर अभियान शुरू करने का फैसला लिया था। इसके बाद यह प्रक्रिया पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु समेत कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक बढ़ा दी गई। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाए रखने तथा फर्जी या अयोग्य मतदाताओं को हटाने के लिए यह अभियान जरूरी है।

> **मतदाता सूची से नाम हटाने की ये है शर्त**
>
> अदालत ने ये भी साफ किया कि अगर आयोग को लगता है कि कोई व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने की वैधानिक शर्तें पूरी नहीं करता है तो आयोग उस व्यक्ति को सक्षम प्राधिकारी के पास भेज सकता है। मतदाता सूची से कोई भी नाम हटाना सक्षम प्राधिकारी द्वारा किए गए फैसले पर निर्भर होगा।

याचिका में उठाए गए थे ये सवाल

याचिकाओं में चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे एसआईआर अभियान की वैधता पर सवाल उठाए गए थे। एसआईआर के खिलाफ याचिकाएं दायर करने वालों में लोकतांत्रिक सुधार संघ, योगेंद्र यादव, महुआ मोइत्रा, मनोज झा, केसी वेणुगोपाल, सुप्रिया सुले आदि बड़े नाम शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि यह प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और उससे जुड़े नियमों के तहत चुनाव आयोग को मिले अधिकारों के तहत नहीं आती है। विवाद का मुख्य मुद्दा चुनाव आयोग की वह शर्त है, जिसके तहत जिन मतदाताओं का नाम 2002 या कुछ राज्यों में 2003 की मतदाता सूची में नहीं था, उन्हें ऐसे व्यक्ति से पारिवारिक संबंध साबित करना होगा, जिसका नाम उन सूचियों में दर्ज था।

गरीब और प्रवासियों के मताधिकार पर खतरे का था दावा

याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि यह शर्त गरीब, प्रवासी और हाशिए पर रहने वाले लोगों को मतदान अधिकार से वंचित कर सकती है, क्योंकि उनके पास पुराने रिकॉर्ड से जुड़ा दस्तावेजी प्रमाण मिलना मुश्किल है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रभावित मतदाताओं को राहत देने और प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अंतरिम निर्देश भी जारी किए थे। शुरुआत में चुनाव आयोग ने सत्यापन के लिए 11 दस्तावेज तय किए थे, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को भी एसआईआर प्रक्रिया में शामिल करने का निर्देश दिया था।

'प्यासे को पानी जरूर पिलाएं', भारत के कई हिस्सों में लू के प्रकोप के बीच पीएम मोदी की लोगों से अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी ने लिखा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है और इसके साथ ही दैनिक जीवन में गर्मी से होने वाली कई कठिनाइयां भी बढ़ रही हैं। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि जितनी अधिक सावधानी बरत सकें, अवश्य बरतें। कृपया स्वयं को हाइड्रेटेड रखें, घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखें। ऐसे मौसम में आपकी संवेदनशीलता भी बहुत बड़ा सहारा बन जाती है। यदि संभव हो, तो किसी प्यासे व्यक्ति को एक गिलास पानी अवश्य दें। मैं ऐसे लोगों की सराहना भी करूँगा जो अपने घरों के और दुकानों के बाहर मटके में जल रखते हैं ताकि कोई भी उनसे पानी पी सके।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अत्यधिक गर्मी से होने वाली परेशानी, जैसे चक्कर आना, मतली या ज्यादा थकान लगे तो उसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। यदि आपके आसपास किसी व्यक्ति को अचानक बेहोशी जैसा लगे, कमजोरी महसूस करे या फिर अस्वस्थ दिखाई दे, तो उसे तुरंत किसी ठंडी और छायादार जगह पर ले जाएं। उसे पानी, ORS या अन्य तरल पदार्थ दें, जिससे शरीर को राहत मिल सके। बच्चे, बुज़ुर्ग और धूप में काम करने वाले लोग इस भीषण गर्मी में सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। समय रहते ध्यान न देने पर यह स्थिति हीटस्ट्रोक जैसी गंभीर समस्या का रूप ले सकती है। ऐसे समय में आपकी सतर्कता और देखभाल किसी का जीवन बचा सकती है।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जब भी संभव हो, अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी और अन्य प्रियजनों को फोन कर उनका हालचाल अवश्य पूछें। उन्हें पर्याप्त पानी पीने, दोपहर की तेज धूप में बाहर न निकलने और जितना हो सके, आराम करने की सलाह दें। मोदी ने आगे कहा कि इस प्रचंड गर्मी में हमें अपने आसपास के पशु-पक्षियों को भी नहीं भूलना चाहिए। अपने घर, बालकनी, छत, दुकान या ऑफिस के बाहर पानी से भरा एक छोटा-सा बर्तन रखना भी किसी प्यासे पक्षी के लिए जीवनदान बन सकता है। आइए, इन कठिन दिनों में पूरी संवेदनशीलता और करुणा के साथ एक-दूसरे का ध्यान रखें।

'घरेलू विवाद में सिर्फ मूकदर्शक रहने पर ससुराल वालों पर नहीं चलेगा क्रूरता का केस', SC का बड़ा फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पति-पत्नी के विवाद में ससुराल पक्ष के लोग सिर्फ मूक दर्शक बने रहें या बहू की मदद के लिए आगे न आएं, तो केवल इसी आधार पर उनके खिलाफ क्रूरता या दहेज मांगने का मामला नहीं चलाया जा सकता। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन के सिंह की पीठ ने कहा कि किसी व्यक्ति का ऐसा व्यवहार नैतिक रूप से गलत हो सकता है, लेकिन इसे सीधे आपराधिक जिम्मेदारी नहीं माना जा सकता। अदालत ने कहा कि केवल सामान्य और बिना ठोस आरोपों के आधार पर पति के पूरे परिवार के खिलाफ आपराधिक कानून लागू नहीं किया जा सकता। कोर्ट के मुताबिक, यह जरूरी है कि किसी व्यक्ति पर क्रूरता, उत्पीड़न या दहेज मांगने में सक्रिय भूमिका निभाने के स्पष्ट आरोप हों। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर परिवार के सदस्यों पर सिर्फ यह आरोप हो कि उन्होंने पति का समर्थन किया, विवाद में दखल नहीं दिया या महिला को समझौता करने की सलाह दी, तो इससे अपने आप आपराधिक मामला नहीं बन जाता। कोर्ट ने माना कि कई बार रिश्तेदार विवाद के दौरान चुप रहते हैं या महिला की मदद नहीं करते, लेकिन जब तक उनके खिलाफ सक्रिय साजिश या अपराध में शामिल होने के ठोस सबूत न हों, तब तक उन्हें आरोपी नहीं बनाया जा सकता। यह टिप्पणी मध्य प्रदेश के गुना की एक महिला के मामले में आई, जिसमें महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया था। सुप्रीम कोर्ट ने ससुराल पक्ष के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई रद्द कर दी, क्योंकि उनके खिलाफ कोई विशेष आरोप नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि असफल वैवाहिक रिश्ते में महिला की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन अदालतों को ऐसे मामलों में आरोपों की सावधानी से जांच करनी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवादों में अक्सर भावनाएं बहुत ज्यादा होती हैं और रिश्तों में तनाव रहता है। ऐसे मामलों में कई बार पति के साथ-साथ पूरे परिवार को भी आरोपी बना दिया जाता है, जबकि उनका विवाद में बहुत कम या कोई सीधा रोल नहीं होता।

समंदर में भारतीय नेवी का पराक्रम, आईएनएस कोलकाता की ताकत देख भागे समुद्री लुटेरे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना ने पश्चिमी हिंद महासागर में एक व्यापारी जहाज के पास संदिग्ध समुद्री लुटेरों की गतिविधि की सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई की। नौसेना के युद्धपोत INS कोलकाता ने तेजी से जांच कर संभावित समुद्री डकैती की कोशिश को विफल कर दिया।

भारतीय नौसेना के अनुसार, व्यापारी जहाज एमवी मशाल्लाह 1 के आसपास संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने के बाद आईएनएस कोलकाता ने तुरंत मोर्चा संभाला। समय पर की गई कार्रवाई से जहाज और उसके चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

नौसेना ने बताया कि आईएनएस कोलकाता पश्चिमी हिंद महासागर और अदन की खाड़ी क्षेत्र में मिशन पर तैनात है। जहाज पर मौजूद हेलीकॉप्टर की मदद से इलाके की निगरानी की गई और बाद में जहाज के दल ने बोर्डिंग ऑपरेशन भी चलाया।

2008 से जारी है एंटी-पायरेसी मिशन

भारतीय नौसेना ने कहा कि वह वर्ष 2008 से अदन की खाड़ी में लगातार एंटी-पायरेसी अभियान चला रही है। इस अभियान का उद्देश्य समुद्री व्यापारिक जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित रखना है। हाल के वर्षों में हिंद महासागर और अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती की घटनाओं को देखते हुए भारतीय नौसेना लगातार निगरानी और सुरक्षा अभियान चला रही है।

असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पास, CM हिमंत सरमा ने कही यह बड़ी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। असम विधानसभा ने बुधवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सोमवार को यह विधेयक सदन में पेश किया था। इसके साथ ही असम पूर्वोत्तर का पहला और उत्तराखंड एवं गुजरात के बाद भाजपा शासित तीसरा राज्य बन गया है जिसने इस विधेयक को पारित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। विधेयक विपक्ष के हंगामे के बीच पारित हुआ, जिसने इसे चयन समिति को भेजने की मांग की है। यूसीसी 2026 के असम विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के प्रमुख वादों में से एक था, और राज्य मंत्रिमंडल ने इस महीने की शुरुआत में अपनी पहली बैठक में इसके मसौदे को मंजूरी दी थी।

ममता बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें, 'गंदा धर्म' कहने पर पूर्व सीएम के खिलाफ दर्ज हुई फआईआर

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के लिए मुसीबतों का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। उनके खिलाफ सनातन धर्म को कथित तौर पर "गंदा धर्म" कहे जाने को लेकर एफआईआर दर्ज कराई गई है। ये पूरा मामला पिछले साल कोलकाता में आयोजित ईद समारोह के दौरान दिए गए एक बयान से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि पिछले साल कोलकाता में ईद पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होते समय ममता बनर्जी ने सनातन धर्म के बारे में कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। उनके खिलाफ यह शिकायत एडवोकेट रिंकी चटर्जी सिंह की ओर से सिलिगुड़ी साइबर पुलिस स्टेशन दर्ज कराई गई है। इस शिकायत में आरोप लगाया गया कि ममता ने एक कार्यक्रम में सनातन धर्म को 'गंदा धर्म' कहा था, और इस वजह से करोड़ों हिंदूओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई थी।

इस एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया गया है। इनमें धार्मिक समूहों के बीच नफरत फैलाने, शांति भंग करने के उद्देश्य से अपमानजनक टिप्पणी करने और आपराधिक धमकी देने से संबंधित कई धाराएं शामिल की गई हैं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान ममता ने एक और विवादित बयान दिया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने कहा था कि यदि किसी विशेष समुदाय ने हिंदूओं पर हमला किया तो उनका '12 ता बजे जाबे'। यह बंगाली भाषा का एक मुहावरा है जिसे गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी के रूप में देखा जाता है।

शुभेंदु ने की थी आलोचना

इस पूरे मामले ने अब राजनीतिक रूप ले लिया। बीजेपी नेताओं ने ममता पर हिंदू भावनाओं को आहत करने और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने का भी आरोप लगाया है। खुद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इस मामले पर सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना की है। एडवोकेट रिंकी चटर्जी ने अपनी याचिका में दलील दिया कि इस तरह की टिप्पणियों का मकसद डर और धमकी के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करना और सामाजिक अशांति तथा सांप्रदायिक नफरत को बढ़ावा देना था।

'सीओईएमपीटी को सीबीएसई का ठेका क्यों और किसके कहने पर दिया?' राहुल ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) द्वारा 12वीं के एक छात्र की आंसर शीट जांच में हुई कथित गड़बड़ी पर खूब विवाद हुआ है, जिसकी सोशल मीडिया पर भी चर्चा है। अब इस विवाद को लेकर राहुल गांधी ने भी केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा कि सीबीएसई परीक्षा परिणाम को लेकर भयंकर हेर-फेर हो गया है, जिससे देश के लाखों बच्चे और उनके माता-पिता सदमे में हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी हमेशा की तरह शांत हैं और इस पर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

राहुल गांधी ने सीबीएसई परीक्षा कराने वाली कंपनी COEMPT को ठेका दिए जाने पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा, 'जिस कंपनी COEMPT को परीक्षा परिणाम की जिम्मेदारी दी गई, वह पहले Globarena नाम से तेलंगाना में 2019 में यही कारनामा कर चुकी है। राहुल गांधी ने कहा, नाम बदला पर नीयत नहीं। इतिहास सबको पता था फिर भी ठेका दिया गया। ऐसी कंपनी के हाथों में 18.5 लाख बच्चों का भविष्य सौंप दिया गया और किसी को फर्क नहीं पड़ा!' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह गलती नहीं बल्कि एक सोचा-समझा षड्यंत्र है। राहुल गांधी ने सवाल पूछे, 'COEMPT को सीबीएसई का ठेका क्यों और किसके कहने पर दिया गया? COEMPT पहले ही Globarena के नाम से विवादों में घिर चुकी है फिर सीबीएसई को इस बारे में क्यों पता नहीं चला? बैकग्राउंड चेक क्यों नहीं किया गया?' राहुल गांधी ने पूछा कि COEMPT प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध हैं?

नीट-यूजी पेपर लीक केस : सीबीआई ने डॉक्टर समेत दो और आरोपियों को किया गिरफ्तार, अब तक 13 लोग अरेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में मंगलवार शाम एक छात्र को गिरफ्तार किया। आरोप है कि उसे पुणे की स्कूल हेडमिस्ट्रेस मनीषा हवालदार से फिजिक्स के सवाल मिले थे। इस मामले में अब तक कुल 1 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सीबीआई के अनुसार, अन्य आरोपियों ने छात्र का मोबाइल नंबर अपने फोन में 'गॉड' नाम से सेव कर रखा था। गिरफ्तारी के बाद छात्र को सीबीआई कोर्ट के जज आर आर मेंडे के सामने पेश किया गया। अदालत ने उसे ट्रांजिट रिमांड पर भेज दिया, जिससे सीबीआई उसे आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली ले जा सके। जांच एजेंसी का कहना है कि मनीषा हवालदार ने छात्र को नीट के सवाल मौखिक रूप से बताए थे। इसके बाद छात्र ने उन्हें लिखकर उनकी फोटो ली और तस्वीरें हवालदार के पति को भेज दीं। बाद में हस्तलिखित दस्तावेज नष्ट कर दिया गया। सीबीआई के मुताबिक, हवालदार ने इसके बदले छात्र से पैसे भी लिए थे।

जांच में मिले कई अहम सबूत

सीबीआई ने अब तक जांच के दौरान 23 पन्नों में लिखे फिजिक्स के सवाल, नीट के मूल प्रश्नपत्र, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के आधिकारिक प्रमाणपत्र और नकदी बरामद की है। जांच एजेंसी के अनुसार, मनीषा हवालदार ने पूछताछ में माना कि अप्रैल में उन्होंने याददाश्त के आधार पर फिजिक्स के सवाल दोबारा तैयार किए थे और उन्हें एक छात्र के साथ साझा किया था। उन्होंने दावा किया कि यह काम उन्होंने एनटीए के एक केमिस्ट्री विशेषज्ञ के कहने पर किया था। बाद में सह-आरोपी मनीषा मंधारे के कहने पर वही सवाल मैसेजिंग ऐप के जरिए उनके और उनके पति के मोबाइल फोन से आगे भेजे गए। सीबीआई ने अदालत को बताया कि हवालदार द्वारा बताए गए सवाल नीट परीक्षा के असली प्रश्नों से काफी मेल खाते थे।

पहले भी हो चुकी हैं कई गिरफ्तारियां

इससे पहले सीबीआई ने पी वी कुलकर्णी को गिरफ्तार किया था, जो नीट-यूजी प्रश्नपत्र तैयार करने वाली एनटीए की टीम से जुड़े थे। इसके अलावा ब्यूटी पार्लर चलाने वाली मनीषा वाघमारे और कंसल्टेंसी फर्म चलाने वाले धनंजय को भी इस मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआई ने मनोज शिरुरे को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि उन्होंने तीन छात्रों तक केमिस्ट्री के सवाल पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

गोरखपुर नगर निगम की बोर्ड बैठक में हंगामा, अपर नगर आयुक्त ने मांगी माफी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। नगर निगम बोर्ड की बैठक मंगलवार को सदन हाल में महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हंगामेदार माहौल में शुरू हुई। बैठक के एजेंडे में दो बार की हुमायूंपुर उत्तरी वार्ड की पूर्व सपा पार्षद रोजा खातून के निधन पर शोकसभा शामिल न किए जाने और पूर्व नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के विदाई समारोह की सूचना पार्षदों को न देने के मुद्दे पर पार्षदों ने जमकर विरोध जताया। सदन में काफी देर तक शोर-शराबा और नारेबाजी जैसी स्थिति बनी रही। बाद में अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार द्वारा गलती स्वीकार कर माफी मांगने पर मामला शांत हुआ। दिवंगत पार्षद को श्रद्धांजलि देने के साथ नगर निगम बोर्ड की बैठक स्थगित कर दी गई। बैठक शुरू होते ही दिग्विजय नाथ वार्ड के पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने पूर्व पार्षद रोजा खातून के निधन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नगर निगम की दो बार निर्वाचित पार्षद रहीं जनप्रतिनिधि के निधन पर एजेंडे में शोकसभा तक शामिल नहीं करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और संवेदनहीनता को दर्शाता है। उनके समर्थन में कई पार्षद खड़े हो गए और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर करने लगे।

इसके बाद बेतियाहाता वार्ड के पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी और रघुपति सहाय फिराकनगर वार्ड के पार्षद रविंद्र सिंह ने पूर्व नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के विदाई समारोह की सूचना पार्षदों को न दिए जाने का मुद्दा उठाया। पार्षदों का कहना था कि नगर निगम के जनप्रतिनिधियों को इस कार्यक्रम से दूर रखना लोकतांत्रिक व्यवस्था और पार्षदों के सम्मान के खिलाफ है। देखते ही देखते सभी पार्षद दोनों मुद्दों पर एकजुट हो गए और सदन में हंगामा शुरू हो गया।

स्थिति बिगड़ती देख पहली बार संसदीय कार्य की जिम्मेदारी संभाल रहे अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार ने सदन को संबोधित किया। उन्होंने दोनों मामलों में प्रशासनिक स्तर पर चूक स्वीकार करते हुए पार्षदों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि एजेंडा तैयार करने और सूचना प्रसारित करने में हुई त्रुटि अनजाने में हुई है तथा भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होगी।

अपर नगर आयुक्त की ओर से गलती स्वीकार किए जाने के बाद पार्षद कुछ शांत हुए। इसके बाद नवागत नगर आयुक्त अजय जैन, अपर नगर आयुक्त गौरव रंजन श्रीवास्तव और सभी मनोनीत पार्षदों ने सदन में अपना परिचय दिया। इसके बाद महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव ने दिवंगत पूर्व पार्षद रोजा खातून के लिए शोकसभा आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सुझाव दिया कि श्रद्धांजलि सभा के बाद बोर्ड बैठक की कार्यवाही आगे बढ़ाई जाए, लेकिन कई पार्षदों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि शोकसभा के बाद बैठक स्थगित कर दी जानी चाहिए।

इस दौरान महापौर ने भी पार्षदों के रुख पर नाराजगी जाहिर की। अंत में सदन में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत पूर्व पार्षद रोजा खातून को श्रद्धांजलि दी गई। हालांकि बैठक की शुरुआत में हुए हंगामे और प्रशासनिक चूक की चर्चा पूरे समय निगम सदन में बनी रही।

देरी से पहुंचे अधिकारी तो भड़के पार्षद

नगर निगम बोर्ड बैठक में अधिकारियों के देर से पहुंचने का मुद्दा भी जोरदार ढंग से उठा। सुबह 11 बजे निर्धारित बैठक करीब आधे घंटे की देरी से शुरू हुई। नगर आयुक्त और महापौर के साढ़े 11 बजे सदन हाल पहुंचने पर पार्षदों ने तीखी नाराजगी जताई और इसे जनप्रतिनिधियों का अपमान बताया। पार्षदों ने कहा कि जब सभी जनप्रतिनिधि समय से सदन में उपस्थित हो सकते हैं तो अधिकारियों को भी समय की पाबंदी का पालन करना चाहिए।

पार्षद रविंद्र सिंह ने कहा कि "अपमान के बल पर सदन नहीं चलेगा।" वहीं शहाब अंसारी ने महापौर और नगर आयुक्त के आने के बाद कुछ अधिकारियों के आने का मामला उठाया और इसमें सुधार कराने की मांग की।

गंगा दशहरा के बाद धोपाप घाट पर 'सेवार्थम फाउंडेशन' का महाअभियान

लंभुआ/सुल्तानपुर। पवित्र गंगा दशहरा पर्व के समापन के बाद ऐतिहासिक धोपाप घाट पर समाजसेवा और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। लाखों श्रद्धालुओं के स्नान के उपरांत घाट परिसर में फैली गंदगी को देखते हुए सेवार्थम फाउंडेशन ने तत्काल व्यापक स्वच्छता अभियान चलाकर पूरे क्षेत्र को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने का कार्य किया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने लगभग चार घंटे तक लगातार श्रमदान कर घाट की सीढ़ियों, मंदिर परिसर, नदी तट एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की। स्वच्छता अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को "स्वच्छ तीर्थदृस्वस्थ समाज" का संदेश देते हुए धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक भी किया।

राहुल गांधी के बाद अमेठी में स्मृति ईरानी की दस्तक, स्वागत और मुलाकातों से गरमाई सियासत

आर्यावर्त संवाददाता

अमेठी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हालिया दौरे के बाद अब पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के अमेठी पहुंचने से जिले की सियासत फिर चर्चा में आ गई है। बुधवार को जिले की सीमा पर पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए।

स्मृति ईरानी मुसाफिरखाना में आयोजित कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं से लगातार जनसंपर्क बनाए रखने पर जोर दिया। उनके आगमन से भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। दौरे के दौरान वह सिंहपुर ब्लॉक क्षेत्र के पूरे ठकुराइन मजरे मत्तेपुर गांव भी पहुंचीं। यहां वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश तिवारी के भाई बृजेश तिवारी के निधन पर उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने परिवार को ढांढस बंधाया और कुछ समय तक परिजनों के बीच रहीं। राजनीतिक गलियारों में स्मृति ईरानी के इस दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने अमेठी पहुंचकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। अब स्मृति ईरानी की सक्रियता को भाजपा की ओर से संगठन और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की महिला कर्मचारी से 98 हजार की ठगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। साइबर ठगों ने स्वास्थ्य विभाग की एक महिला कर्मचारी को अपना निशाना बनाते हुए करीब 98 हजार रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने खुद को नायब तहसीलदार बताकर बेहद शातिर तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया। मामले में साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।घटना लंभुआ थाना क्षेत्र की है। लंभुआ स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम के पद पर तैनात अनीता यादव को 4 मई को सीएचएस लंभुआ के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में एक संदेश मिला। यह संदेश अधीक्षक राघवेंद्र प्रताप सिंह के नंबर से भेजा गया था, जिसमें बताया गया था कि कलेक्ट्रेट सुल्तानपुर से नायब तहसीलदार अशोक मीना सब-सेंटर के शौचालय और स्नानघर की मरम्मत संबंधी रिपोर्ट के लिए संपर्क करेंगे। कुछ देर बाद अनीता यादव के पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को नायब तहसीलदार अशोक मीना बताया और कहा कि मरम्मत कार्य के लिए सरकारी धनराशि भेजी जानी है, इसलिए फोन-पे नंबर उपलब्ध कराया जाए। शुरुआत में महिला कर्मचारी को शक हुआ, लेकिन ठग ने भरोसा जीतने के लिए व्हाट्सएप पर सीएचओ और सभी एएनएम की पोस्टिंग व मोबाइल नंबरों की पूरी सूची भेज दी। इससे पीड़िता को लगा कि कॉल करने वाला वास्तव में सरकारी अधिकारी है। महिला कर्मचारी खुद ऑनलाइन पेमेंट ऐप का इस्तेमाल नहीं करती थीं, इसलिए उन्होंने अपने देवर संदीप जगदम्बा प्रसाद यादव का नंबर दे दिया। ठग ने पहले भरोसा दिलाने के लिए 20 रुपये ट्रांसफर किए, फिर एक लिंक भेजकर ओटीपी साझा करने को कहा। जैसे ही ओटीपी बताया गया, खाते से किश्तों में रकम कटनी शुरू हो गई।

संभल में बकरीद पर हाई अलर्ट : डीएम-एसपी ने किया फ्लैग मार्च, संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। बकरीद को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आ रहा है। संभल में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के लिए डीएम और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने नखासा और कोतवाली क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

अधिकारियों ने बाजारों, संवेदनशील इलाकों और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा लोगों से आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखने की अपील की। पैदल गश्त के दौरान अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों को लगातार भ्रमणशील रहने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और प्रभावी चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए।

प्रशासन की ओर से संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती भी की गई है। जिससे की किसी प्रकार की अव्यवस्था न फैल सके। बृहस्पतिवार को बकरीद मनाई जाएगी। गुन्नौर और गांव सैंजना मुस्लिम समेत करीब 30 मस्जिदों में नमाज अदा की जाएगी।

त्योहार को लेकर प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। गुन्नौर कोतवाली प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि बकरीद के मद्देनजर 70 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। साथ ही कुर्बानी के बाद निकलने वाले अपशिष्ट को निर्धारित गड्ढों में ही डालने के निर्देश दिए गए हैं। पशुपालकों को नोटिस जारी कर त्योहार के दौरान पशुओं को खुले में न छोड़ने की हिदायत भी दी गई है। बताया गया कि नगर गुन्नौर की आबादी करीब 50 हजार है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत मुस्लिम परिवार निवास करते हैं।

नगर में जामा मस्जिद, सुन्नी नूरानी मदीना मस्जिद, लाल मस्जिद, मजनू शाह मस्जिद, दालान वाली मस्जिद, काजियान मस्जिद और रजा मस्जिद समेत 30 से अधिक मस्जिदों में बकरीद की नमाज अदा की जाएगी। वहीं गांव सैंजना मुस्लिम की मदीना मस्जिद, जामा मस्जिद, पूर्व वाली मस्जिद और बीच वाली मस्जिद में भी नमाज होगी।

सुन्नी नूरानी मदीना मस्जिद के मौलाना हाफिज फुरकान रजा ने बताया कि ईद की नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू होकर 30 मई के सूर्यास्त तक चलेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुर्बानी सार्वजनिक स्थानों पर न करें और प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी से बचें।

टैंकर पलटा, केबिन में लगी आग, चालक और मालिक सुरक्षित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जयसिंहपुर/सुलतानपुर। कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब पांच बजे बांदा-टांडा मार्ग पर सेमरी बाजार स्थित पी.आर इंटर कालेज के पास सीमेंटेड फ्लाई ऐश से भरा एक टैंकर पलट गया। हादसे के बाद टैंकर में आग लग गई, जिससे वाहन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया।

जानकारी के अनुसार, टैंकर सुल्तानपुर की ओर से अंबेडकरनगर जा रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद टैंकर अनियंत्रित होकर इंटर कॉलेज की दीवार और 11 हजार वोल्ट के बिजली के खंभे से टकराते हुए सड़क किनारे पलट गया। बिजली आपूर्ति चालू होने के कारण टैंकर के केबिन में आग लग गई और देखते ही देखते वाहन धू-धू कर जलने लगा। घटना की सूचना मिलने पर सेमरी पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से केबिन में फंसे चालक और मालिक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक टैंकर पूरी तरह जल चुका था। पुलिस के अनुसार, टैंकर टाण्डा सीमेंट फैक्ट्री से सीमेंट पाउडर लेकर जा रहा था। टैंकर चालक राजीव पुत्र जगन्नाथ और मालिक कुलदीप सिंह हादसे में दोनों सुरक्षित बच गए। दुर्घटना के चलते अकबरपुर-टांडा मार्ग पर करीब दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने बिजली विभाग के कर्मचारियों को बुलाकर सड़क पर लटकी 11 हजार वोल्ट की केबल हटवाई और यातायात बहाल कराया। चौकी इंचार्ज सेमरी सुबोध त्यागी ने बताया कि फायर ब्रिगेड की सहायता से आग बुझा दी गई है और मार्ग को सुचारु रूप से चालू करा दिया गया है।

थानों में तबादले की आंधी: पुलिस ऑफिस में स्थायी सरकार कायम

सुल्तानपुर। एक तरफ कप्तान साहब जिले के थानों की ओवरहालिंग में पूरी ताकत झोंके हुए हैं। कहीं इंस्पेक्टर बदले जा रहे हैं, कहीं चौकी प्रभारियों की कुर्सियां हिल रही हैं तो कहीं सिपाहियों की लाइन हाजिरी लग रही है। ऐसा माहौल बनाया जा रहा है मानो जिले की पुलिस व्यवस्था में क्रांति आ गई हो। लेकिन सवाल वही पुराना है क्या सिर्फ थानों में ही सुधार की जरूरत है। पुलिस ऑफिस की गलियों में आज भी कुछ ऐसे मठाधीश जमे हुए हैं, जिनकी कुर्सी पर वक्त का असर नहीं पड़ता। कप्तान बदल गए, सरकारें बदल गईं, लेकिन इनका मैनेजमेंट सिस्टम जस का तस कायम है। विभाग में चर्चा है कि कुछ बाबू, दीवान और सिपाही वर्षों से एक ही जगह पर बैटिंग कर रहे हैं और हर नए अधिकारी के साथ ऐसे घुलमिल जाते हैं मानो वही विभाग चला रहे हों। सीओ सिटी ऑफिस में भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। अभिषेक त्यागी, राकेश कुमार और सुगंध जैसे नाम विभागीय गलियारों में लंबे समय से चर्चा का विषय बने हुए हैं।

बिजली संकट को लेकर सपा का जोरदार प्रदर्शन, सरकार पर साधा निशाना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अनूप संडा के नेतृत्व में बुधवार को समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय सुलतानपुर में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती, जर्जर विद्युत तारों को बदलने तथा कम क्षमता वाले पुराने ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने डाक खाना चौराहा स्थित अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की और मुख्य अधीक्षण अभियन्ता को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पूर्व विधायक अनूप संडा ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों बिजली कटौती की जा रही है, जिससे आम जनता का जीवन प्रभावित हो गया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक परेशान हैं, लेकिन सरकार और जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर, पेपर लीक, स्वास्थ्य, पेयजल और विद्युत व्यवस्था जैसी मूलभूत समस्याओं से जनता त्रस्त हो चुकी है। सरकार की नीतियों के कारण आम आदमी को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो समाजवादी पार्टी आने वाले दिनों में व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। प्रदर्शन में सपा जिलाध्यक्ष रघुबीर यादव, जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश वर्मा, जिला महासचिव सलाहुद्दीन, जिला पंचायत सदस्य विजय श्याम यादव, अनीता यादव, नफीसा खातून, मोहर्रम अली, ज्ञान प्रकाश यादव, तेजिन्दर सिंह बग्गा, डॉ. उदय नाथ यादव, वैभव मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। प्रदर्शन में महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली।

यूपी में दरोगा समेत सात की मौत : 'हम तो सो गए थे, आंख खुली तो अस्पताल में थे' ; एक की झपकी और बिखर गए सारे सपने

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के पांच बजे तेज रफ्तार स्लीपर बस डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। हादसे में बिहार के एक दरोगा व एक बंदी सहित सात लोगों की मौत हो गई जबकि 25 यात्री घायल हो गए। हादसा औरास थाना क्षेत्र के नीभाखेड़ा गांव के पास हुआ। इसकी वजह चालक को झपकी आना बताया जा रहा है।

घायलों का इलाज लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। बस में बिहार, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, गुरुग्राम के यात्री थे। हादसे के बाद चालक मौके से भाग गया। डेढ़ घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। दिल्ली से चालक व 51 यात्रियों को लेकर स्लीपर बस एक्सप्रेसवे के रास्ते गोरखपुर जा रही थी। औरास के नीभाखेड़ा गांव के पास चालक दीपक को झपकी आने से 120 की रफ्तार में जा रही बस का दाहिना पहिया डिवाइडर पर चढ़ गया। इससे बस बायीं ओर पलटकर करीब 100 मीटर घिसटने के बाद अंडरपास के ऊपर बनी सेफ्टी वॉल से टकरा गई।

यात्री एक-दूसरे पर गिरने लगे। खिड़की के पास बैठे कुछ यात्री करीब 40 फीट नीचे जा गिरे। मौके पर चीखपुकार मच गई। एक्सप्रेसवे से जा रहे दूसरे वाहन सवार लोगों ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। यूपीडा की रेस्क्यू टीम और पुलिस पहुंची और 30 यात्रियों को एंबुलेंस से स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने छह यात्रियों को मृत घोषित कर दिया। 24 यात्रियों को लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। यहां एक महिला ने दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना के करीब आधे घंटे बाद पुलिस और उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के कर्मी पहुंचे। करीब 20 एंबुलेंसों से घायलों को स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां भी पर्याप्त स्टाफ न होने से घायल तड़पते रहे। मरीजों के सीएचसी पहुंचने के करीब एक घंटे बाद सीएचसी प्रभारी डॉ. अनूप तिवारी, फार्मासिस्ट संजेश गुप्ता और विपिन कुमार अस्पताल पहुंचे। इस दौरान यात्री दर्द से परेशान रहे।

पहले चालक को भी आई थी झपकी, टकराने से बची थी बस

यात्री बृजेश कुमार और विनय यादव ने बताया बस को पहले आगरा निवासी विनय शर्मा चला रहा था। घटना से करीब आधा घंटे पहले रास्ते में उसको झपकी आने से बस कार से टकराने से बची थी। यह देख दूसरा चालक दीपक खुद बस चलाने लगा। उसके कुछ देर बाद ही यह घटना हो गई।

मौत की झपकी... बिखर गए सपने

हादसे में घायल हुए लोगों ने बताया कि हम तो रात में सो गए थे... जब सुबह आंख खुली तो खुद को अस्पताल में पाया। शुक्र है कि जान तो बच गई। एक्सप्रेसवे के हादसे का खौफ और दर्द घायल यात्रियों के चेहरे पर साफ चस्पा दिखा।

वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों ने भी बताया कि बस की रफ्तार काफी तेज थी। हादसे के बाद खिड़कियों से यात्री लगातार गिरने लगे। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वह सुबह घर से टहलने निकले थे। तभी अचानक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। पीछे मुड़कर देखा तो बस दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी थी। यात्री खिड़कियों से नीचे गिर रहे थे। कुछ यात्री बस का शीशे तोड़कर बाहर निकल रहे थे। धनंजय, धीरज और अरुण ने बताया कि एक्सप्रेसवे के किनारे लगी लोहे की सेफ्टी ग्रिल भी टूट गई। हादसे के बाद औरास एसओ संजीव कुशवाहा ने राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। कुछ ही देर में एसडीएम प्रज्ञा पांडेय, सीओ सोनम सिंह, बांगरमऊ, आसीवन, बेहटामुजावर पुलिस मौके पर पहुंची। सीएचसी पहुंचकर डीएम घनश्याम मीणा और एसपी जयप्रकाश सिंह ने घायलों का हाल जाना।

हादसे के बाद यूपीडा के मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रभात कुमार अवस्थी, सुरक्षा अधिकारी आरके चंदेल, सहायक सुरक्षा अधिकारी चंद्रप्रकाश वर्मा, सहायक सुरक्षा अधिकारी अलीशेर खान ने यात्रियों का बिखरा सामान हटवाया और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया।

भीषण गर्मी से मिलेगी राहत! 22 राज्यों में बारिश का अलर्ट, दिल्ली में 7 डिग्री तक गिरेगा पारा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। देश के अलग-अलग राज्यों में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। राजधानी दिल्ली में 27 मई को मौसम विभाग ने हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। वहीं, अगले 4 दिन यानी कि 28 मई से लेकर 31 मई तक दिल्ली में बारिश की संभावना जताई गई है। बारिश की वजह से अधिकतम तापमान में 6 से 7 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट देखने को मिल सकती है। अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से घटकर 35 से 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

मौसम विभाग ने बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। सतह पर तेज गर्म हवाएं चलेंगी। दोपहर में तेज धूप खिलेगी। आईएमडी के मुताबिक, 27 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में गरज के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। 27 मई और 01 जून को अरुणाचल प्रदेश में बारिश का अनुमान है।

असम और मेघालय में बारिश के आसार

27 से 01 जून को असम और मेघालय में बारिश के आसार हैं। 28 मई को केरल और लक्षद्वीप में बारिश की संभावना है। 30 मई को तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में गरज के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलेगी। 27 मई को पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश की संभावना है। 30 मई को अंडमान और निकोबार में बारिश के आसार हैं। 28 मई से 01 जून के दौरान गरज के साथ बारिश की संभावना है। बिहार और ओडिशा में 29 से 30 मई को बारिश हो सकती है। इस दौरान बिहार के कुछ जिलों में ओलावृष्टि की भी संभावना है। झारखंड में अगले 7 दिनों के दौरान गरज के साथ बारिश हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में बारिश का अलर्ट

28-30 मई के दौरान जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में बारिश हो सकती है। 28 और 29 मई को हिमाचल प्रदेश में गरज के साथ बारिश की संभावना है। 28-31 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश हो सकती है। 29 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में सतह पर तेज हवाएं चल सकती हैं, जिसकी रफ्तार 60-70 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है। 28 और 29 मई को राजस्थान के कुछ इलाकों में धूल भरी आंधी आने की संभावना है। 28-30 मई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में गरज के साथ बारिश हो सकती है। गोवा और मध्य महाराष्ट्र में 29 मई को और गुजरात के कुछ जिलों में 30 मई से 01 जून के दौरान बारिश की संभावना है।

सम्मान देकर मनाया गया पायलट दिवस

सुल्तानपुर। मंगलवार को 108 और 102 एम्बुलेंस सेवाओं से जुड़े पायलटों को सम्मान देने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा पायलट दिवस का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजुद रहे। एम्बुलेंस सेवा में लगे कार्मिकों के योगदान की सराहना किया गया और कार्यक्रम में एम्बुलेंस संचालन संस्था ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के जिला कार्यक्रम प्रबंधक आशीष सिंह ने कहा कि जिले में एम्बुलेंस स्टाफ ने हमेशा तत्परता और ईमानदारी से कार्य किया है उनको भरोसा जताया जाता है कि आने वाले समय में भी यह टीम पूरी निष्ठा से जनमानस की सेवा करती रहेगी। पायलट दिवस के मौके पर सीएमओ डॉ० भारत भूषण के द्वारा जिले में कार्यरत पायलट को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया और शुभ कामना दी गई। इस अवसर पर ईएमई, विवेक श्रीवास्तव, दुर्गेश त्रिपाठी ने भी एंबुलेंस पायलटों और ईएमटी कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए स्वास्थ्य विभाग की इस पहल से एंबुलेंस सेवाओं में लगे कर्मियों का मनोबल बढ़ाया है।

बकरीद पर यात्रियों को मिलेगी बेहतर सुविधा, बसों की फिटनेस से स्वच्छता तक सख्त निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आगामी पावन पर्व ईद-उल-अजहा (बकरीद) के अवसर पर यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने निगम के सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि पर्व के दौरान यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और परिवहन व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित की जाए। परिवहन मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी रोडवेज बसों का मानकों के अनुरूप तत्काल भौतिक और यांत्रिक परीक्षण कराया जाए। परीक्षण के दौरान सामने आने वाली तकनीकी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करते हुए आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरम्मत के बाद बसों की फिटनेस सुनिश्चित करते हुए उन्हें आउट शेडिंग कर नियमित संचालन में लगाया जाए तथा सभी बसों को ऑन-रोड स्थिति में रखते हुए शत-प्रतिशत संचालन के लिए तैयार रखा जाए।यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए बस अड्डों पर बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, साफ-सुथरे शौचालय और शौचालयों के आसपास चूने के छिड़काव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन मंत्री ने कहा कि बसों को मार्ग पर भेजने से पहले उनका निरीक्षण और फिटनेस परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी बस का शीशा टूटा हुआ न हो और सीटें फटी हुई न हों। सभी बसों का संचालन स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर स्थिति में किया जाए ताकि यात्रियों को आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके।दयाशंकर सिंह ने निगम प्रशासन को यह भी निर्देश दिए कि चालक, परिचालक और बस स्टेशनों पर तैनात कर्मचारी यात्रियों के साथ मृदुल और शिष्ट व्यवहार करें। यात्रियों के प्रति बेहतर व्यवहार और सेवा भावना को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि मार्ग में मिलने वाले प्रत्येक यात्री को सम्मानपूर्वक बैठाने और सुरक्षित रूप से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए।सुरक्षा के दृष्टिकोण से परिवहन मंत्री ने बसों में प्रतिबंधित वस्तुओं और ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि बसों का संचालन मार्ग में पड़ने वाले सभी निर्धारित बस स्टेशनों से होकर किया जाए। सभी चालक और परिचालक ड्यूटी के दौरान निर्धारित वर्दी में रहें तथा बस स्टेशनों पर उद्घोषणा यंत्र हमेशा क्रियाशील स्थिति में रखे जाएं। इसके अलावा प्रत्येक बस में प्राथमिक उपचार किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।परिवहन मंत्री ने यात्रियों से अपील की है कि वे सुरक्षित और सुव्यवस्थित यात्रा के लिए निगम प्रशासन का सहयोग करें। यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा होने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचना दें, ताकि त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए परिवहन विभाग पूरी व्यवस्था को लेकर सतर्क और सक्रिय नजर आ रहा है।

बकरीद पर लखनऊ में अभेद्य सुरक्षा घेरा, 1347 पुलिसकर्मी और 6 कम्पनी पीएसी तैनात, प्रमुख नमाज स्थलों पर विशेष निगरानी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ईद-उल-अजहा (बकरीद) के अवसर पर राजधानी लखनऊ में सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। चन्द्र दर्शन के अनुसार इस वर्ष बकरीद का पर्व 28 मई 2026 को मनाया जाएगा। पर्व के मद्देनजर पश्चिमी जोन में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है, जहां सुन्नी समुदाय द्वारा टीले वाली मस्जिद में प्रातः 9 बजे तथा ईदगाह ऐशबाग में प्रातः 10 बजे नमाज अदा की जाएगी। वहीं शिया समुदाय की नमाज बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद में पूर्वाह्न 11 बजे आयोजित होगी।पुलिस प्रशासन ने त्योहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की है। ईदगाह ऐशबाग क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को चार जोन और पांच सेक्टरों में विभाजित किया गया है ताकि प्रत्येक स्थान पर प्रभावी निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।पश्चिमी लखनऊ में सुरक्षा व्यवस्था के तहत छह अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी), 14 सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), 42 निरीक्षक, 449 उपनिरीक्षक तथा 635 मुख्य आरक्षी और आरक्षियों की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सादे वस्त्रों में महिला पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। एंटी रोमियो स्क्वायड, पिंक पेट्रोल और डायल-112 की टीमें लगातार भ्रमणशील रहकर सतर्क निगरानी करेंगी।यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए अलग से विशेष पुलिस बल लगाया गया है। यातायात पुलिस में एक अपर पुलिस उपायुक्त, तीन सहायक पुलिस आयुक्त, आठ निरीक्षक, 33 उपनिरीक्षक, 102 मुख्य आरक्षी और आरक्षी तथा 54 होमगार्ड तैनात किए गए हैं। इस प्रकार कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को मिलाकर कुल 1347 अधिकारी एवं पुलिसकर्मी ड्यूटी पर रहेंगे।

साथ ही छह कम्पनी पीएसी, वायरलेस यूनिट तथा स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू) की टीमें भी सक्रिय रहेंगी।सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई है, जिसमें ड्यूटी प्वाइंट, रूट प्लानिंग और विशेष प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई। भीड़ नियंत्रण और आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल और रूट रिहर्सल भी सम्पन्न कराई गई है।तकनीकी निगरानी के तहत टीले वाली मस्जिद, ऐशबाग ईदगाह, बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद और आसपास के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी लगातार नजर रखी जाएगी ताकि किसी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

लखनऊ की डॉ. स्वधा सिन्हा को मिला "राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान – 2026"

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए लखनऊ की डॉ. स्वधा सिन्हा को "राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान – 2026" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान माँ सर्मिस्ता सेवा संस्कार फाउंडेशन, बुढ़सैनी (बागपत) एवं सर्वोदय संस्कृत आश्रम, बालेनी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "राष्ट्रीय संगोष्ठी (भारतीय ज्ञान प्रणाली)" एवं "राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान – 2026" कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए शिक्षाविदों, शोधार्थियों और समाजसेवियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में डॉ. स्वधा सिन्हा को शिक्षा एवं शोध क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. स्वधा सिन्हा ने इसे अपने शोध कार्य, शिक्षकों के मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग का परिणाम बताया। उन्होंने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें शिक्षा और शोध के क्षेत्र में और अधिक उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। डॉ. स्वधा सिन्हा शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। मूल रूप से लखनऊ निवासी डॉ. सिन्हा ने हाल ही में अंग्रेजी भाषा विषय में शोध कार्य पूर्ण कर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। उनके द्वारा लिखे गए शोध पत्र विभिन्न प्रतिष्ठित प्रकाशनों एवं शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। अपने प्रोफेशनल सफर के बारे में बताते हुए डॉ. स्वधा सिन्हा ने कहा कि अंग्रेजी भाषा की शिक्षिका से लेकर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने तक का सफर संघर्ष और समर्पण से भरा रहा। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता और परिवार को दिया। उन्होंने विशेष रूप से अपने दिवंगत पिता स्वर्गीय डी.एस. सिन्हा को याद करते हुए कहा कि डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करना उनके पिता का सपना था, जिसे उन्होंने आज पूरा किया है।

लखनऊ में कारोबारी की गोली मारकर हत्या का लाइव वीडियो, बाइक से आए बदमाश ; करने लगे ताबड़तोड़ फायरिंग

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई के कल्ली पश्चिम इलाके में बुधवार दोपहर करीब 12.30 बजे बाइक सवार दो हमलावरों ने रियल एस्टेट कारोबारी जौनपुर निवासी संदीप कुमार (40) को तीन गोलियां मार दी। गंभीर रूप से घायल संदीप को एपेक्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत बेहद गंभीर बताई गई है। यहां देर शाम इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस की कई टीमें हमलावरों की तलाश में लगी हैं।

डीसीपी साउथ अमित आनंद ने बताया कि संदीप कुमार मौजूदा समय में पीजीआई के वृंदावन कालिंदी पार्क के पास किराये के मकान में रहकर रियल एस्टेट का काम करते हैं। उनको कल्ली पश्चिम इलाके में प्रॉपर्टी डीलिंग का दफ्तर है।

रोज की तरह बुधवार दोपहर करीब 12 बजे वह कर्मचारी विपिन कुमार के साथ कार से दफ्तर के लिए निकले। आधे घंटे के बाद वह लोग दफ्तर पहुंचे। संदीप कार से उतरकर फोन पर बातचीत करते हुए दफ्तर की तरफ जाने लगे।

इस बीच सफेद गमछा लपटे एक युवक वहां पहुंचा और उसने एक के बाद एक संदीप को तीन गोलियां मार दी। एक गोली सीने, एक पेट और एक सिर पर लगी। इस बीच हमलावर बाइक सवार एक साथी के साथ रायबरेली सड़क की तरफ भाग निकला।

खून से लथपथ संदीप वहीं गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुन संदीप का कर्मचारी विपिन कार से उतर कर उनके पास पहुंचे और मदद के लिए शोर मचाया। शोर होने पर आसपास के लोग जमा हो गए। घायल संदीप को फौरन इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

50 सेकंड में मार दी तीन गोलियां

घटना का सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिला है। पूरी वारदात 50 सेकंड के अंदर अंजाम दी गई। फुटेज से ऐसा लग रहा है कि हमलावर पहले से संदीप के इंतजार में खड़े थे। उनके पहुंचते ही एक हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग और हेलमेट पहने बाइक सवार दूसरे साथी के साथ भाग निकला। डीसीपी ने बताया कि हमलावरों की तलाश में पुलिस की टीमें लगी हैं। जमीन की रंजिश, रुपये का विवाद और पुरानी रंजिश के पहलू पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

संक्षेप

पीजीआई क्षेत्र में दिनदहाड़े गोलीकांड, बाइक सवार बदमाशों ने व्यक्ति को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई क्षेत्र में बुधवार दोपहर दिनदहाड़े हुई गोलीबारी की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और आरोपियों की तलाश के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है।पुलिस के अनुसार बुधवार को करीब एक बजे थाना पीजीआई क्षेत्र में सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति को गोली मार दी गई है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि दो अज्ञात बाइक सवार व्यक्तियों ने संदीप सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह, उम्र करीब 43 वर्ष, निवासी ग्राम टकारी, थाना शिकारा, जनपद जौनपुर, हाल पता वृंदावन योजना, थाना पीजीआई, लखनऊ को गोली मारी थी।घटना के बाद संदीप सिंह को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।मृतक की पत्नी प्रीती की तहरीर के आधार पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के पीछे के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है और हमलावरों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।पुलिस के मुताबिक घटना के खुलासे और अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चार विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर हमलावरों की तलाश तेज कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि घटना में शामिल आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।दिनदहाड़े हुई इस वारदात से वृंदावन योजना और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है, जिसमें पुरानी रंजिश, व्यक्तिगत विवाद और अन्य संभावित कारणों को भी खंगाला जा रहा है।

डीजीपी से मिला सपा प्रतिनिधिमंडल, गाजीपुर में कथित उत्पीड़न और हरदोई शिल्पी हत्याकांड की जांच की उठाई मांग

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर दो अलग-अलग मामलों में ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने गाजीपुर जनपद के करंडा थाना क्षेत्र में अनिल यादव और उनके परिवार को कथित रूप से फर्जी मुकदमे में फंसाने, उत्पीड़न करने तथा धमकी देने के आरोपों की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग उठाई। इसके साथ ही हरदोई के चर्चित शिल्पी कुशवाहा हत्याकांड में कथित अन्य आरोपितों और साजिशकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करने की भी मांग की गई।प्रतिनिधिमंडल में शामिल समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा, पूर्व एमएलसी तथा सुनील सिंह साजन ने पुलिस महानिदेशक को दिए ज्ञापन में आरोप लगाया कि गाजीपुर जनपद के करंडा थाना क्षेत्र की कटरिया ग्राम सभा के प्रधान पद के पूर्व प्रत्याशी अनिल सिंह यादव और उनके परिवार को राजनीतिक द्वेष के चलते प्रताड़ित किया जा रहा है।ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष सिंह आशु और करंडा थानाध्यक्ष के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। प्रतिनिधिमंडल का दावा है कि अनिल यादव के भाई सुनील यादव, जो सेना में एनएसजी कमांडो हैं, तथा दूसरे भाई विक्की यादव को फर्जी तरीके से मुकदमों में फंसाया जा रहा है। आरोप लगाया गया कि अनिल सिंह यादव और उनके भाइयों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

29 वर्ष की सैन्य सेवा के बाद पूर्व सैनिक को मिली बड़ी कानूनी जीत, हाईकोर्ट ने दिव्यांगता पेंशन पर केंद्र सरकार की याचिका खारिज की

लखनऊ। लगभग 29 वर्षों तक भारतीय सेना में सेवा देने वाले उत्तराखण्ड निवासी पूर्व सैनिक आनरेरी लेफ्टिनेंट एवं एक्स-सूबेदार पुष्कर सिंह कश्याल को लंबी कानूनी लड़ाई के बाद बड़ी राहत मिली है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने दिव्यांगता पेंशन मामले में केंद्र सरकार की याचिका खारिज करते हुए सशस्त्र बल अधिकरण के आदेश को बरकरार रखा है। न्यायालय ने स्पष्ट टिप्पणी की कि केवल इस आधार पर किसी सैनिक को दिव्यांगता पेंशन से वंचित नहीं किया जा सकता कि बीमारी "पीस स्टेशन" में पाई गई थी।पुष्कर सिंह कश्याल वर्ष 1991 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। करीब 29 वर्षों की सेवा के दौरान उन्हें "प्राइमरी हाइपरटेंशन" बीमारी हो गई। स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के चलते उन्हें 31 मार्च 2021 को लो मेडिकल कैटेगरी में सेना से मुक्त कर दिया गया। हालांकि सेना की रिलीज मेडिकल बोर्ड ने उनकी बीमारी को "न सैन्य सेवा से संबंधित और न ही सैन्य सेवा से बढ़ी हुई" यानी एनएएनए घोषित करते हुए दिव्यांगता पेंशन देने से इंकार कर दिया।मेडिकल बोर्ड के इस निर्णय को चुनौती देते हुए पूर्व सैनिक ने अपने अधिवक्ता विजय कुमार पाण्डेय के माध्यम से वर्ष 2023 में सशस्त्र बल अधिकरण, लखनऊ में वाद दायर किया। मामले की सुनवाई के बाद 5 जुलाई 2023 को अधिकरण ने पूर्व सैनिक के पक्ष में फैसला सुनाते हुए तत्काल दिव्यांगता पेंशन दिए जाने का आदेश पारित किया।हालांकि अधिकरण के आदेश के बावजूद भारत सरकार और रक्षा मंत्रालय की ओर से इसका अनुपालन नहीं किया गया, जिसके चलते पूर्व सैनिक को निष्पादन वाद दाखिल करना पड़ा। इसके बाद केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ खंडपीठ में रिट याचिका दाखिल कर सशस्त्र बल अधिकरण के आदेश को चुनौती दी। सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि बीमारी सैन्य सेवा से संबंधित नहीं थी और मेडिकल बोर्ड की राय को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।पूर्व सैनिक की ओर से अधिवक्ता विजय कुमार पाण्डेय ने न्यायालय में पक्ष रखते हुए कहा कि भर्ती के समय सैनिक पूर्णतः स्वस्थ था और बीमारी करीब 24 से 29 वर्षों की सेवा के बाद उत्पन्न हुई। साथ ही मेडिकल बोर्ड ने बीमारी को सेवा से असंबद्ध घोषित करने के पीछे कोई वैज्ञानिक और कारणयुक्त आधार प्रस्तुत नहीं किया।मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने केंद्र सरकार की रिट याचिका खारिज कर दी।

चोरी की बिजली से होटल में चल रहे थे 12 पंखे और 13 एसी, छापे में खुलासा, जांच में मिला 28 किलोवाट लोड

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के उतरेठिया उपकेंद्र इलाके में पिछले एक माह से लोग बिजली को तरस रहे। वहीं एक होटल में चोरी की बिजली से 13 एसी चालू पाए गए। बिजली चोरी का खुलासा मंगलवार रात 10:20 बजे छापे में हुआ। जांच के दौरान 28 किलोवाट लोड पर बिजली चोरी पाई गई, तो कनेक्शन को काट दिया गया।

अमौसी जोन के मुख्य अभियंता राम कुमार ने बताया कि एक्सईएन एके शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस प्रवर्तन दल ने नीलमथा के डिप्टीगंज हरिहरपुर आदर्शनगर स्थित होटल मिराकी इन में छापा मारा। प्रकाशनी शेखर के इस होटल में पहली गड़बड़ी घरेलू बिजली से होटल चलता पाया गया, जिसमें नौ किलोवाट का कनेक्शन था। होटल संचालक श्री फेज केबल को छज्जे के अंदर काट करके उसमें दूसरी केबल को जोड़कर बिजली चोरी करते पकड़ा गया। जांच में दो मंजिल के होटल में 12 पंखे और 13 एसी चोरी वाली बिजली से कनेक्ट पाए गए। होटल मालिक पर एफआईआर दर्ज करा दी गई, जिससे 2.80 लाख रुपये शमन शुल्क और बिजली चोरी का अनुमानित 10 लाख रुपये जुर्माना भरना होगा। जांच दल में एसडीओ आशुतोष वर्मा, जेई राजेश कुमार, इंसपेक्टर वीरेंद्र सिंह आदि शामिल थे।

साठगांठ से कराई जा रही थी बिजली चोरी

घरेलू कनेक्शन की बिजली होटल में जलने पर भी कार्रवाई न किए जाने पर प्रवर्तन दल को अंदेशा है कि सांठगांठ से यह बिजली चोरी कराई जा रही थी। सबसे पहले एमआरआई बेस बिलिंग करने वाले जिम्मेदारी को इस गड़बड़ी को छिपाया। इलाके के जेई, एसडीओ व लाइन कर्मी भी जांच के दायरे में आ गए जिन्होंने इस गड़बड़ी को नहीं पकड़ा।

बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की मौतों पर संगठन का बड़ा आरोप, 31 दिनों में 15 मौतें

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की लगातार हो रही दुर्घटनाओं और मौतों को लेकर कर्मचारी संगठन ने पावर कार्पोरेशन प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संगठन का दावा है कि कर्मचारियों की कथित नियमविरुद्ध छंटनी और भारी कमी के कारण बिजली कर्मियों पर काम का अत्यधिक दबाव बढ़ गया है, जिससे बीते 31 दिनों में 26 आउटसोर्स कर्मचारियों की दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 15 कर्मचारियों की मृत्यु हो गई, जबकि 11 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इन घटनाओं को लेकर संगठन ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है।प्रदेश महामंत्री देवेंद्र कुमार पाण्डेय द्वारा जारी बयान में आरोप लगाया गया है कि उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने अपने ही 15 मई 2017 के आदेश का उल्लंघन करते हुए लगभग 25 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों को कार्य से हटा दिया। इसके चलते बिजली व्यवस्था में कर्मचारियों की भारी कमी उत्पन्न हो गई है और मौजूदा कर्मचारियों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ गया है।संगठन के अनुसार सामान्य तौर पर 11 केवी आउटगोइंग फीडरों पर एक गैंग के रूप में एक लाइनमैन, एक पेट्रोलमैन अथवा कुशल श्रमिक और दो अकुशल श्रमिकों की तैनाती होनी चाहिए, लेकिन वर्तमान में कई स्थानों पर एक ही कर्मचारी से काम कराया जा रहा है। आरोप है कि एचटी और एलटी लाइनों, ट्रांसफार्मरों तथा ब्रेकरों जैसे संवेदनशील उपकरणों पर भी अकुशल कर्मचारियों से कार्य लिया जा रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ रहा है।बयान में कहा गया है कि पावर कार्पोरेशन प्रबंधन द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों की छंटनी के बाद अवर अभियंता, उपखंड अधिकारी और अधिशासी अभियंताओं के स्तर पर कर्मचारियों पर दबाव बनाकर जोखिमपूर्ण कार्य कराए जा रहे हैं। संगठन का दावा है कि प्रबंधन के 28 अगस्त 2025 के आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि किसी भी स्थिति में अकुशल कर्मचारियों से बिजली लाइनों और संबंधित तकनीकी कार्य नहीं कराए जाएं, लेकिन इसके बावजूद इस आदेश का पालन नहीं हो रहा है।संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिजनों को आउटसोर्स कंपनियां क्षतिपूर्ति देने में भी आनाकानी कर रही हैं। इसके चलते मृतक कर्मचारियों के परिवार आर्थिक और सामाजिक संकट का सामना कर रहे हैं।बिजली कर्मचारियों की कमी का असर उपभोक्ताओं पर भी पड़ने का दावा किया गया है। संगठन के अनुसार कर्मचारियों की संख्या कम होने के कारण एक ओर उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर विभाग को आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है।

चिनहट में छत से गिरा सीमेंट का मलबा बना मौत का कारण, नामजद अभियुक्त 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के चिनहट क्षेत्र में लापरवाही से हुई एक दर्दनाक घटना में एक व्यक्ति की जान चली गई। नौबस्ता कला इलाके में ड्यूटी पर जा रहे व्यक्ति के ऊपर छत से फेंका गया जमा हुआ सीमेंट का मलबा गिरने से उसकी मौत हो गई। मामले में चिनहट पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस के अनुसार थाना चिनहट में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 282/26 धारा 105 बीएनएस से संबंधित अभियुक्त विशाल तिवारी पुत्र विजय नारायण तिवारी निवासी मकान संख्या 35, सूर्यस इन्क्लेव, नौबस्ता कला, थाना चिनहट को धावा मोड़ क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के मुताबिक 26 मई 2026 को मृतक की पत्नी रितू ने थाना चिनहट में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। रितू ने बताया कि उनके पति अनूप सिंह, जो मूल रूप से देवरिया जनपद के ग्राम कुंडली के निवासी थे और वर्तमान में नौबस्ता कला क्षेत्र में रह रहे थे, ड्यूटी के लिए पैदल जा रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले विशाल तिवारी द्वारा अपनी छत से जमा हुआ सीमेंट का मलबा लापरवाहीपूर्वक नीचे फेंका गया, जो सीधे उनके पति के ऊपर गिर गया।मलबा गिरने से अनूप सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें उपचार के लिए लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मड़ियांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई : शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, 11 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मड़ियांव पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना मड़ियांव पुलिस टीम ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से विभिन्न कंपनियों की 11 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरफ्तार अभियुक्त लंबे समय से मड़ियांव और आसपास के क्षेत्रों में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। पुलिस बरामद वाहनों के आधार पर कई चोरी के मामलों का खुलासा होने का दावा कर रही है।पुलिस के अनुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना मड़ियांव पुलिस टीम 27 मई 2026 को क्षेत्र में गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी तथा वांछित अभियुक्तों की तलाश में सेक्टर 'क्यू' तिराहे पर मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति, जो लगातार मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं में संलिप्त है, सीतापुर रोड स्थित मड़ियांव पुल के नीचे सुलभ शौचालय के पास चोरी के वाहनों के साथ मौजूद है।सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान सुमित जायसवाल पुत्र स्वर्गीय अमरनाथ जायसवाल निवासी झोपड़ पट्टी, डालीगंज क्रासिंग, थाना हसनगंज, लखनऊ के रूप में बताई। अभियुक्त की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है।पुलिस द्वारा की गई तलाशी और पूछताछ में अभियुक्त के कब्जे से अलग-अलग कंपनियों की कुल 11 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। जांच के दौरान बरामद वाहनों का संबंध थाना मड़ियांव, अलीगंज और विकासनगर में दर्ज वाहन चोरी के मुकदमों से पाया गया। पुलिस के अनुसार थाना मड़ियांव के मुकदमा अपराध संख्या 0220/2026, 0237/2026 और 0248/2026, थाना अलीगंज के मुकदमा अपराध संख्या 0086/2026 तथा थाना विकासनगर के मुकदमा अपराध संख्या 0092/2026 से बरामद मोटरसाइकिलों का संबंध सामने आया है।बरामदगी के आधार पर थाना मड़ियांव में अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 252/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) और 317(4) में मामला दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई है। पुलिस ने अभियुक्त को उसके अपराध और धाराओं की जानकारी देते हुए हिरासत में ले लिया है तथा न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि अभियुक्त विभिन्न क्षेत्रों से मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें कम कीमत पर बेच देता था और उससे मिलने वाले पैसों का उपयोग अपने शौक पूरे करने में करता था।

आखिर विश्व, भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना क्यों चाहता है

विश्व आज भारत की विकास यात्रा का हिस्सा इसलिए बनना चाहता है, क्योंकि भारत केवल "बड़ा बाजार" नहीं रहा, बल्कि वह अब यह देश वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक, सुरक्षा और मानव संसाधन का एक निर्णायक केंद्र बनता जा रहा है। खास बात यह है कि अब वह कई मामलों में अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस-जर्मनी-यूके जैसे यूरोपीय देशों से होड़ भी लेने लगा है।

पहला, दुनिया को भारत में सबसे बड़ा बाजार दिख रहा हैः भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। यहां तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल उपभोक्ता और विशाल युवा शक्ति वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर रही है। इसी कारण तकनीक, ई-कॉमर्स, ऑटोमोबाइल, रक्षा, सेमीकंडक्टर और ऊर्जा क्षेत्रों में भारी विदेशी निवेश आ रहा है।

दूसरा, चीन के विकल्प के रूप में भारतः अमेरिका-चीन तनाव और सप्लाई चेन संकट के बाद दुनिया "चाइना प्लस वन" रणनीति अपना रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब उत्पादन और निवेश का बड़ा हिस्सा भारत में स्थानांतरित करना चाहती हैं, क्योंकि वो भारत को एक स्थिर लोकतांत्रिक, कानूनी और विशाल श्रम-आधारित अर्थव्यवस्था माना जा रहा है।

तीसरा, भारत की डिजिटल क्रांति ने दुनिया को प्रभावित कियाः यूपीआई, आधार, डिजिटल गवर्नेंस, स्टार्टअप इकोसिस्टम और एआई आधारित सेवाओं ने भारत को "डिजिटल पावर" बना दिया है। चूंकि दुनिया अब भारतीय डिजिटल मॉडल को कम लागत और बड़े पैमाने पर लागू होने वाली व्यवस्था के रूप में देख रही है। इसलिए भारत की ओर उनका झुकाव स्वाभाविक है।

चौथा, भारत वैश्विक स्थिरता का नया स्तंभ बन रहा हैः आज दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका से भी संबंध रखता है, रूस से भी, यूरोप, जापान, खाड़ी देशों और अफ्रीका से भी। यही संतुलित कूटनीति भारत को "विश्वसनीय शक्ति" बनाती है। इसलिए अधिकांश देश भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाना चाहते हैं।

पांचवां, भारत का युवा मानव संसाधन दुनिया की जरूरत हैः यूरोप, जापान और कई विकसित देशों में वृद्ध आबादी बढ़ रही है। इसके विपरीत भारत के पास विशाल युवा कार्यबल है। आईटी, स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग, एआई और सेवा क्षेत्र में भारतीय प्रतिभा वैश्विक अर्थव्यवस्था को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

छठा, रक्षा और सामरिक शक्ति का बढ़ता प्रभावः भारत तेजी से रक्षा उत्पादन और तकनीकी आत्मनिर्भरता बढ़ा रहा है। ब्रह्मोस मिसाइल, रक्षा कॉरिडोर, अंतरिक्ष कार्यक्रम और समुद्री शक्ति ने भारत को सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बना दिया है।

सात, भारत "ग्लोबल साउथ" की आवाज बन गया हैः अफ्रीका, एशिया और विकासशील देशों को लगता है कि भारत पश्चिम और चीन- दोनों से अलग एक संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। जी-20, ब्रिक्स और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

आठवां, निवेशकों को भारत में दीर्घकालिक अवसर दिखते हैः विश्व की बड़ी कंपनियां समझती हैं कि अगले 20-25 वर्षों तक भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था रहेगा, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऊर्जा, एआई, हरित तकनीक और विनिर्माण में विशाल अवसर मौजूद हैं।

लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। भले ही दुनिया भारत में अवसर तो देख रही है, पर साथ ही कुछ चिंताएं भी हैः बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता, न्यायिक व प्रशासनिक देरी, राजनीतिक ध्रुवीकरण, और बुनियादी ढांचे की असमानता। यदि भारत इन चुनौतियों को संतुलित ढंग से संभाल लेता है, तो 21वीं सदी में वह केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित करने वाली महाशक्ति बन सकता है।

मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करें, महिलाओं को स्वस्थ बनाने में मददगार बनें

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस (28 मई) पर विशेष

मुकेश कुमार शर्मा

मासिक धर्म की सामान्य अवधि यानि पांच दिनों के दौरान साफ़-सफाई सबसे महत्वपूर्ण है, जिसके बारे में किशोरियों और महिलाओं को जागरूक बनाना है।

मासिक धर्म (माहवारी) यानि पीरियड्स एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। इसको लेकर किसी भी तरह की शर्मिंदगी महसूस करने, लोगों के सामने नजरें चुराने या झिझक महसूस करने की गलती कभी न करें। पीरियड्स के दौरान भी साफ़-सफाई का पूरा ख्याल रखते हुए सामान्य दिनों की तरह पूरे आत्मविश्वास के साथ जीवनयापन करें। मासिक धर्म को लेकर आज भी समाज में व्याप्त तरह-तरह की रूढ़िवादिता और भ्रांतियों को पूरी तरह से ख़त्म करने की जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए हर साल 28 मई को विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया जाता है, जिसका मूल मकसद मासिक धर्म से जुड़ीं भ्रांतियों को जड़ से मिटाते हुए किशोरियों और युवतियों को इस बारे में खुलकर बात करने की आजादी देने के साथ एक स्वस्थ माहौल प्रदान करना है।

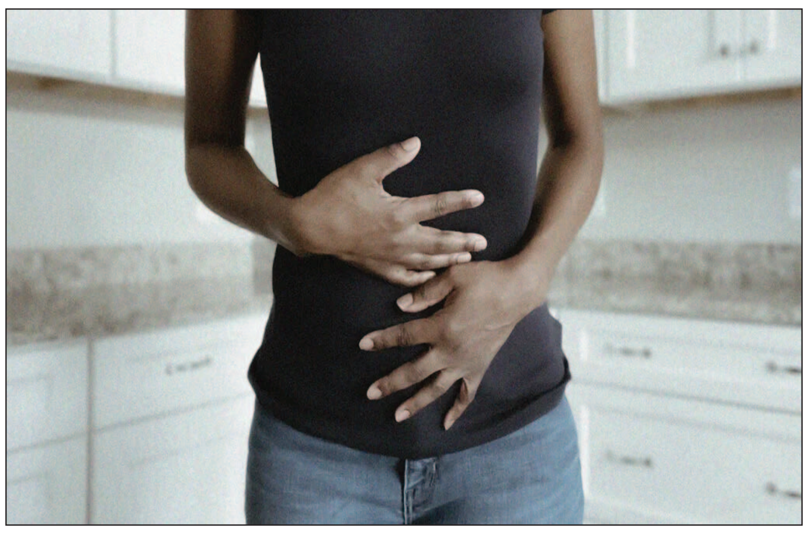

मासिक धर्म की सामान्य अवधि यानि पांच दिनों के दौरान साफ़-सफाई सबसे महत्वपूर्ण है, जिसके बारे में किशोरियों और महिलाओं को जागरूक बनाना है। इस वर्ष इस खास दिवस की थीम "एक #मासिक धर्म अनुकूल दुनिया के लिए मिलकर काम करें" तय की गयी है। आज यह तय करने की जरूरत है कि हर किशोरी और युवती को सुरक्षित और किफायती सेनेटरी पैड की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा मासिक धर्म के दौरान निजी शौचालय और पानी की पर्याप्त उपलब्धता हो। मासिक धर्म के बारे में सही जानकारी या जागरूकता के अभाव में आज भी समाज के कुछ वर्गों में युवतियां खासकर किशोरियां कई तरह की दिक्कतों, झिझक और संकोच का सामना करती हैं। यहाँ तक कि बच्चियां इस दौरान स्कूल तक जाने से कतराती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बचपन से किशोरावस्था की दहलीज पर पहुँचने वाली बच्चियों को मासिक धर्म के बारे में जरूर शिक्षित किया जाए ताकि वह पहले से इस स्थिति से भलीभांति निपटने के लिए मानसिक रूप से अपने को तैयार कर सकें। उनको समझाना जरूरी है कि इस अवस्था में होने वाले शारीरिक बदलावों का यह भी एक हिस्सा मात्र है।

मासिक धर्म के दौरान पूर्ण स्वच्छता, साफ़-सफाई न रखने से गंभीर संक्रमण की गुंजाइश बनी रहती है, इसलिए साफ-सफाई का खास ख्याल रखें। सैनिटरी पैड को दिन में जरूरत के मुताबिक़ 3-4 बार अवश्य बदलना चाहिए। उपयोग के बाद उसे कागज में लपेटकर सुरक्षित तरीके से कूड़ेदान में डालें। पैड के इस्तेमाल से पहले और बाद में हाथों को सही तरीके से अवश्य धोना चाहिए। यह भी जानना जरूरी है कि मासिक धर्म महज सैनिटरी पैड के इस्तेमाल और साफ़-सफाई तक ही सीमित रहने की बात नहीं है बल्कि इस दौरान होने वाले शारीरिक बदलावों और मासिक चक्र पर भी ध्यान देने की जरूरत है। अधिक रक्तस्राव या गंभीर दर्द की स्थिति में निकटतम सरकारी स्वास्थ्य इकाई पर जाकर चिकित्सकों से परामर्श भी लेना चाहिए ताकि उनके बताए अनुसार जरूरी जांच आदि कराई जा सके।

स्कूल, समुदाय, सरकारी व निजी संस्थान और विभिन्न संगठनों को भी इस मुद्दे पर जागरूकता लाने के साथ ही हर स्तर पर एक सकारात्मक माहौल और उचित प्रबन्धन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जरूरत है। कार्य स्थलों पर भी मासिक धर्म को जीवन का एक सामान्य हिस्सा के रूप में देखा जाये, सुरक्षित और किफायती मासिक धर्म उत्पाद आसानी से मुहैया कराये जाएँ, शौचालय और पानी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, डस्टबिन की उचित व्यवस्था हो। कार्य स्थलों पर कामकाजी महिलाओं के साथ समय-समय पर इस विषय पर खुली चर्चा हो और चिकित्सकों की उपस्थिति में इससे जुड़े सवालों के जवाब मुहैया कराने का भी प्रबंध करना चाहिए।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) 2020-21 के आंकड़ों को देखा जाए तो देश की 15 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 77.3 फीसद युवतियां माहवारी के दौरान स्वस्थ व सुरक्षित तरीकों का इस्तेमाल करती हैं। एनएफएचएस-4 (2015-16) के आंकड़े की बात करें तो उस दौरान इस आयु वर्ग की महज 57.6 प्रतिशत लडकियां ही माहवारी के दौरान सुरक्षित तरीकों का इस्तेमाल करती थीं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से कम कीमतों में सेनेटरी पैड की उपलब्धता से भी इस बड़े बदलाव को जोड़कर देखा जा सकता है। इसके अलावा इससे यह भी साफ़ अनुमान लगाया जा सकता है कि मासिक धर्म में स्वच्छता व उसके प्रबंधन को लेकर औपचारिक ज्ञान में वृद्धि के साथ ही जागरूकता भी आई है।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

टिप्पणी

नजरअंदाज करना जोखिम मोल लेना

चीन पर भारत की प्रमुख निर्भरता उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में नहीं, बल्कि घरेलू उत्पादन के क्षेत्र में है। इसका मतलब है कि भारत का कारखाना क्षेत्र चीन से आए पाट-पुर्जों और रासायनिक सामग्रियों पर अत्यधिक निर्भर हो चुका है।

चीन पर भारत की कारोबारी निर्भरता चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है। सवाल सिर्फ बढ़ते व्यापार घाटे का नहीं है, जो पिछले वित्त वर्ष में 112.16 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। उससे बड़ा मुद्दा भारतीय मैनुफैक्चरिंग की चीनी आपूर्ति श्रृंखला पर बढ़ी निर्भरता है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपने ताजा विश्लेषण में इस ओर ध्यान खींचा है कि 2025-26 में चीन से भारत का कुल आयात 131.63 बिलियन डॉलर का रहा, जिसमें 98.5 प्रतिशत हिस्सा औद्योगिक उत्पादों का था। भारत के कुल आयात में चीन का हिस्सा 16 फीसदी तक पहुंच गया है, लेकिन सिर्फ औद्योगिक उत्पादों पर ध्यान दें, तो उसमें चीनी आयात का हिस्सा 30.8 फीसदी है।

इसके भीतर भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, कंप्यूटर और ऑर्गेनिक केमिकल्स पर गौर करें, तो भारत के कुल आयात में चीन का हिस्सा 66 प्रतिशत है। इन आंकड़ों से जाहिर है कि चीन पर भारत की प्रमुख निर्भरता उपभोक्ता वस्तुओं के मामले में नहीं, बल्कि घरेलू उत्पादन के क्षेत्र में है। साधारण भाषा में इसका मतलब है कि भारत का कारखाना क्षेत्र चीन से आए पाट-पुर्जों और रासायनिक सामग्रियों पर अत्यधिक निर्भर हो चुका है। इनमें इलेक्ट्रॉनिक पाट-पुर्जे, विद्युत वाहनों की बैटरियां, सोलर मॉड्यूल, औषधियों में इस्तेमाल होने वाले एपीआई, और खास रसायन शामिल हैं। किसी एक सप्लायर पर इतनी निर्भरता स्वस्थ स्थिति नहीं मानी जा सकती।

खास कर उस आपूर्तिकर्ता पर तो बिल्कुल नहीं, जिसके साथ संबंधों की पृष्ठभूमि में तनाव पलता- पनपता रहता है। भू-राजनीतिक या व्यापारिक प्रतिस्पर्धा संबंधी कारणों से यह तनाव कभी भी अनियंत्रित हो सकता है। फिलहाल सूरत यह है कि चीन भारत के घरेलू उद्योग को अस्त-व्यस्त करने की हैसियत में है। अतः भारत के नीति-निर्माताओं को जीटीआरआई के इस सुझाव को गंभीरता से लेना चाहिए कि देश के अंदर क्षमता विकसित करना और आपूर्ति श्रृंखला को एक के बजाय अनेक स्रोतों से जोड़ना इस वक्त भारत के सामने मौजूद प्रमुख चुनौती है। जीटीआरआई के मुताबिक किसी भी महत्त्वपूर्ण क्षेत्र में किसी एक देश पर आयात निर्भरता 30 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। यह तार्किक सुझाव है, जिसे नजरअंदाज करना जोखिम मोल लेना होगा।

ब्लॉग

राष्ट्रीय राजमार्ग पर संजीवनी बना डायल 1033

कल्पना कीजिए, आप एक खूबसूरत सफर पर हैं। चारों तरफ फैली खुली शानदार सड़क, रफ्तार पकड़ती गाड़ी और गुनगुनाता सुहाना मौसम। सब कुछ एकदम मुकम्मल लगता है। लेकिन अचानक, अगले ही मोड़ पर कोई अनहोनी हो जाए...। कई बार हाइवे पर हुआ एक अनचाहा हादसा पल भर में जिंदगी की खुशियों को मातम में बदल देता है। ऐसे किसी अनजान और सुनसान सफर पर, जहां दूर-दूर तक कोई अस्पताल या मदद नजर नहीं आती, वहां मोबाइल की स्क्रीन पर चमकता एक नंबर उम्मीद की सबसे बड़ी किरण बनकर उभरता है- 1033। आज देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह चार अंकों का नंबर महज एक हेल्पलाइन नहीं, बल्कि हजारों-लाखों मुसाफिरों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है।

हाइवे पर दुर्घटना होने के बाद जो सबसे पहला घंटा होता है, उसे चिकित्सा विज्ञान में गोल्डन ऑवर कहा जाता है। इस एक घंटे के भीतर अगर घायल को सही इलाज मिल जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना 80 फीसदी तक बढ़ जाती है। 1033 इसी गोल्डन ऑवर का रक्षक है।

जैसे ही कोई इस नंबर पर डायल करता है, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का कॉल सेंटर तुरंत हरकत में आ जाता है। जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए हादसे की सटीक लोकेशन ट्रेस की जाती है और चंद मिनटों के भीतर एम्बुलेंस मौके पर पहुंचती है। घायलों को नजदीकी ट्रॉमा सेंटर या अस्पताल पहुंचाया जाता है। साथ ही रास्ता साफ करने के लिए क्रेन और पेट्रोलिंग गाड़ियां तैनात हो जाती हैं।

महज 7 से 10 मिनट में आ गई एम्बुलेंस

एनएचएआई के 1033 सेवा का लाभ लेने वाले श्री नितिन वर्मा बताते हैं, मैं रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में सफ़र कर रहा था। दोपहर 2 बजे के करीब हाइवे पर मेरी गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ, मोबाइल में नेटवर्क भी कम था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहां हूं? मैंने 1033 लगाया, और महज 7 से 10 मिनट में एम्बुलेंस मेरे सामने थी। वो नंबर नहीं, मेरे लिए संजीवनी से कम नहीं था।

आमतौर पर लोग सोचते हैं कि यह नंबर सिर्फ एक्सीडेंट के समय काम आता है, लेकिन असल में यह हाइवे पर आपका सबसे भरोसेमंद साथी है। आप कई विपरीत स्थितियों में भी इसकी मदद ले सकते हैं। रात के सन्नाटे में अगर गाड़ी का टायर पंचर हो जाए या इंजन फेल हो जाए, हाइवे पर कोई पेड़ गिर गया हो, मवेशी आ गए हों या कोई भारी मलबा पड़ा हो, यात्रा के दौरान अगर अचानक किसी सहयात्री की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ जाए, टोल प्लाजा या फास्टैग संबंधी कोई समस्या हो या हाइवे पर असुरक्षा महसूस हो रही हो... तो भी 1033 सेवा का लाभ लिया जा सकता है।

ट्रक ड्राइवर श्री गुरदीप सिंह अपने अनुभव साझा करते हैं, बात रात के करीब 09:45 बजे की है। मैं अपना भारी-भरकम ट्रक लेकर रायपुर से बिलासपुर की ओर बढ़ रहे था। अचानक एक जोरदार आवाज के साथ ट्रक का टायर फट गया। भारी वाहन और ऊपर से रात का सन्नाटा... ऐसी स्थिति में हाइवे के किनारे ट्रक खड़ा करना और मदद ढूंढना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। मैने बिना वक्त गंवाए 1033 पर कॉल किया। एनएचएआई की टीम ने तुरंत मेरी लोकेशन ट्रेस की और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने न सिर्फ क्रेन और तकनीकी मदद का इंतजाम किया, बल्कि जब तक काम पूरा नहीं हुआ, वहां सुरक्षा सुनिश्चित की, ताकि कोई और बड़ा हादसा न हो।

बिलासपुर-नागपुर रूट के मुसाफिर श्री एस.पी. चौबे ने बताया, हम अपनी कार से सफर कर रहे थे कि अचानक गाड़ी पंचर हो गई। जब स्टेपनी बदलने की बारी आई, तो एक नई मुसीबत खड़ी हो गई। बहुत दिनों से पहिया खुला नहीं था, इसलिए वह बुरी तरह जाम हो चुका था। मेरा ड्राइवर पसीने से तर-बतर होकर उसे खोलने की नाकाम कोशिश कर रहा था, लेकिन वह टस से मस नहीं हो रहा था। हाइवे के किनारे खड़ी हमारी गाड़ी और ड्राइवर की जद्दोजहद को वहां से गुजर रही 1033 की रूट पेट्रोलिंग व्हीकल टीम ने खुद देख लिया।

टीम के जवान तुरंत हमारे पास रुके। उन्होंने न सिर्फ अपनी गाड़ी से जरूरी हैवी टूल्स (औजार) निकाले, बल्कि खुद आगे बढ़कर जाम हो चुके चक्के को खोला, टायर बदला और हमारी गाड़ी को रवाना किया। उनके इस अपनेपन और मुस्तैदी ने हमारा दिल जीत लिया।

हाइवे पर सुरक्षा सिर्फ छोटे वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारी-भरकम कमर्शियल वाहनों के लिए भी 1033 एक सुरक्षा कवच है। ऐसा ही एक मामला बिलासपुर से महासमुंद की ओर जा रहे विशाल ट्रेलर के ड्राइवर श्री शिवम यादव के साथ हुआ। उनके ट्रेलर का ब्रेक अचानक जाम हो गया और गाड़ी में जरूरी एयर प्रेशर नहीं बन पा रहा था। बीच हाइवे पर इतने बड़े वाहन का इस तरह रुकना बेहद खतरनाक था।

सूचना मिलते ही 1033 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। भारी ट्रेलर के पीछे से आ रही तेज रफ्तार गाड़ियों को सचेत करने के लिए टीम ने सेफ्टी कोन और चेवरॉन साइन बोर्ड लगाए, ताकि एक सुरक्षित बफर जोन बन सके। इस हाई-प्रोफेशनल ट्रैफिक मैनेजमेंट की वजह से न तो हाइवे पर जाम लगा और न ही कोई दुर्घटना हुई। ट्रेलर को सुरक्षित तरीके से सुधरवाने की व्यवस्था की गई।

1033 की सबसे खास बात इसकी सरलता और गति है। यह सेवा 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। इसमें भाषा की कोई दीवार नहीं है। स्थानीय भाषाओं से लेकर हिंदी और अंग्रेजी, हर भाषा में यहां मदद मिलती है। टोल-फ्री होने के कारण मोबाइल में बैलेंस न होने पर भी इस पर कॉल की जा सकती है।

बदलते भारत के साथ हमारे हाइवे आधुनिक और हाई-स्पीड हो रहे हैं, लेकिन रफ्तार के इस दौर में सुरक्षा सबसे अहम है। अगली बार जब आप किसी लंबे सफर पर निकलें, तो अपनी गाड़ी की डिक्की चेक करने के साथ-साथ अपने दिमाग और मोबाइल की स्पीड डायल लिस्ट में 1033 को जरूर सेव कर लें। क्योंकि जब हाइवे पर मुश्किलें रास्ता रोकती हैं, तो यही चार अंक संजीवनी बनकर जिंदगी की रफ्तार को थमने नहीं देते।

ड्यूटी छोड़ सड़क पर उतरे होमगार्ड, ट्रैफिक पुलिस पर शोषण के आरोप, पुलिस लाइन में हंगामा

समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

होमगार्ड्स ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। वहीं विभागीय अधिकारियों की ओर से मामले को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ में ट्रैफिक विभाग के होमगार्ड्स और पुलिस कर्मियों के बीच विवाद खुलकर सामने आ गया। बुधवार को बड़ी संख्या में होमगार्ड्स ने ड्यूटी का बहिष्कार कर पुलिस लाइन स्थित ट्रैफिक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। होमगार्ड्स ने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों पर उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शन के चलते कुछ समय के लिए ट्रैफिक व्यवस्था पर भी असर पड़ने की स्थिति बन गई। अचानक हुए विरोध प्रदर्शन से विभागीय अधिकारियों में भी हलचल मच गई। प्रदर्शन कर रहे होमगार्ड्स का आरोप है कि ट्रैफिक विभाग में उनके साथ सख्ती के नाम पर अन्याय किया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि कोई होमगार्ड ड्यूटी पर पहुंचने में दो मिनट भी देर कर दे तो उसका पर्चा जमा नहीं किया जाता और उसे ड्यूटी से बाहर कर दिया जाता है। होमगार्ड्स ने आरोप लगाया कि कई बार वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी लगातार बढ़ती गई।

पुलिस लाइन में नारेबाजी, कार्यालय के बाहर जताया विरोध

आक्रोशित होमगार्ड्स पुलिस लाइन स्थित ट्रैफिक कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और जमकर नारेबाजी की। उन्होंने विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सम्मानजनक व्यवहार और स्पष्ट व्यवस्था की मांग की। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि लगातार मानसिक दबाव में काम कराया जा रहा है, जबकि उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना जाता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में 58 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई, तौकीर रजा की जमानत पर फैसला सुरक्षित

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली हिंसा के मुख्य आरोपी और आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान की जमानत अर्जी समेत 58 याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की एकल पीठ ने 58 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। बता दें, अभियोजन पक्ष की ओर से जमानत का विरोध करते हुए कहा गया कि 26 सितंबर को बरेली में नमाज के बाद हिंसा साजिश का हिस्सा थी।

इस दौरान बरेली में कई स्थानों पर आगजनी, फायरिंग और पुलिस पर हमले किए गए। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, हिंसा के पीछे तौकीर रजा की मुख्य भूमिका थी। हिंसा से जुड़े 10 मामलों में रिपोर्ट दर्ज की गई। इन सभी में मौलाना तौकीर रजा

नामजद हैं। पुलिस ने तौकीर रजा को हिंसा का मास्टरमाइंड बताया है।

तौकीर रजा को राजनीतिक दबाव में फंसाया

वही दूसरी तरफ बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि तौकीर रजा को राजनीतिक दबाव में फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपों का कोई ठोस आधार नहीं है। हिंसा मामले की जांच पूरी हो चुकी है। ऐसे में उन्हें जमानत दिया जाना चाहिए। फिलहाल दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने मौलाना तौकीर रजा की जमानत पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

तौकीर रजा पर गंभीर आरोप

26 सितंबर 2025 को मौलाना तौकीर रजा ने बरेली के इस्लामिया इंटर कॉलेज में एक विशेष समुदाय के सदस्यों को इकट्ठा होने का आह्वान किया था। इस पर बीएनएसएस की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेशों के बावजूद लगभग 500 लोगों की भीड़ इकट्ठी हुई और मौलाना आजाद इंटर कॉलेज से श्यामगंज चौराहे की ओर बढ़ी।

भीड़ ने पुलिस की चेतावनी को किया नजरअंदाज

बोर्ड आदि लिए और भड़काऊ नारे लगाते हुए भीड़ ने पुलिस की चेतावनी और समझाने की कोशिशों को नजरअंदाज किया। और आगे बढ़ने पर अड़े रहे, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। इसके बाद भीड़ में शामिल लोगों ने पुलिस बल पर ईंटें, पत्थर और एसिड की बोतलें फेंकी और पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी भी की।

हिंसा में पुलिसकर्मियों के कपड़े फटे

एफआईआर के अनुसार हिंसा में पुलिसकर्मियों के कपड़े फट गए और दो अधिकारी घायल हो गए। आरोप है कि भीड़ की आक्रामक कार्रवाई ने क्षेत्र में आतंक का माहौल बना दिया। इसके बाद बातचीत के माध्यम से भीड़ को समझाने में विफल रहने के बाद पुलिस अधिकारियों को आत्मरक्षा में गोली चलानी पड़ी।

13 साल की दुल्हन ने मायके में दे दी जान, मां की रजामंदी से 26 दिन पहले की थी लव मैरिज, फिर पति ने खोला ये राज

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी से ऐसी खबर सामने आई है, जो इस वक्त पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। यहां 13 साल की नई नवेली दुल्हन ने जहर खाकर जान दे दी। पति की उम्र भी 18 साल है। मौत के बाद पति ने बताया कि किस बात से दुल्हन परेशान थी। मामला कटेरा थानाक्षेत्र के कचनेव गांव का है। 26 दिन पहले ही नाबालिग लड़की की शादी हुई थी। परिजनों के मुताबिक वो बार-बार अपने प्रेमी से शादी करने की जिद कर रही थी।

परिवार की मानें तो- हमने बिटिया को काफी समझाया भी। मगर वो मानी नहीं। उसकी जिद के आगे हम लोग हार गए और प्रेमी से उसकी शादी भी करवा दी। अभी वो पति के साथ मायके आई थी। उसने जहर खा लिया। मां से कहा- मम्मी मैंने दवाई खा ली है। यह सुनते ही परिजनों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया। मगर इलाज के दौरान दुल्हन की मौत हो गई। 13 साल की रेखा (काल्पनिक नाम) का 18 साल के विवेक (बदला हुआ नाम) से अफेयर था। बड़ी बेटी की जहां शादी हुई थी, वहां रेखा अक्सर जाया करती थी। यहीं उसकी मुलाकात विवेक से हुई थी। बड़ी बहन और मां को जब इस रिश्ते की भनक लगी तो उन्होंने रेखा को खूब समझाया। मगर वो नहीं मानी। कहती थी- मुझे बस विवेक चाहिए। मेरी शादी करवा दो उससे।

लाख समझाइश और मिन्नतों के बाद भी जब वो नहीं मानी तो परिवार ने 30 अप्रैल को दोनों की शादी करवा दी। शादी को महज 26 दिन बीते थे। रेखा अपने मायके आई थी। पति विवेक भी उसके साथ आया था। सोमवाल को गांव में भंडारे का आयोजन था। घर के सभी लोग भंडारे में शामिल होने गए थे। वहीं, घर पर रेखा और उसका पति विवेक ही थी। वो दोनों भी जाने के लिए तैयार हो रहे थे।

पति को भी नहीं पता था कि रेखा ने जहर खाया है

इस बीच रात करीब 8 बजे रेखा ने जहर का सेवन कर लिया। मगर तब तक पति को भी नहीं पता था कि उसने जहर खा लिया है। दोनों जैसे ही भंडारे के लिए जाने लगे तभी रेखा की तबीयत खराब होने लगी। उसके पेट में दर्द उठा था। वो दौड़ते हुए सीधे मां के पास गई। बोली- मां मैंने दवाई खा ली है। ये सुनते ही परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर गए। मगर इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। क्योंकि जहर पूरे शरीर में फैल चुका था।

नाना ने बताई 18 साल उम्र, फिर खुली पोल

मामले में सबसे चौंकाने वाली बात ये रही कि जब पुलिस जांच के लिए पहुंची तो मृतका के नाना ने उसकी उम्र 18 साल बताई। मगर पुलिस को शक हुआ तो लड़की का आधार कार्ड मांगा गया। इसमें रेखा की उम्र 13 साल निकली। पति ने भी उसकी उम्र 13 साल बताई। पति बोला- रेखा के पिता की पिछले साल मौत हो गई थी। इस वजह से वो डिप्रेशन में रहती थी। हमेशा कहती थी कि मुझे पापा की याद आ रही है। बहरहाल, इस मामले में परिवार ने पुलिस से कोई शिकायत नहीं की है। मगर फिर भी उम्र को देखते हुए पुलिस केस की जांच कर रही है।

लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हादसा : ट्रक से टकराई मथुरा जा रहे श्रद्धालुओं की कार, नौ घायल

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह पांच बजे सुल्तानपुर से वृंदावन दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसा नगला खंगर क्षेत्र में माइल स्टोन 60 पर अचानक ट्रक चालक के ब्रेक लगाने से हुआ। दुर्घटना में तीन गंभीर घायलों को सैफई मेडिकल कालेज और छह को जिला संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद में भर्ती कराया है।

सुल्तानपुर में गांव लोहार थाना धम्मौर निवासी 30 वर्षीय गोविंद कार चालक हैं। वह अपनी अर्टिगा कार किराए बुक करके गांव के ही 25 वर्षीय शुभम पाल, उनके भाई 15 वर्षीय शिवम और परिवार के अन्य सदस्य 35 वर्षीय राज बहादुर पाल, 32 वर्षीय प्रीति, 28 वर्षीय संदीप पाल, 26 वर्षीय ज्योति पाल, 25 वर्षीय मन्नू समेत आठ लोगों को लेकर मथुरा दर्शन के लिए मंगलवार रात निकले थे।

अचानक ट्रक चालक ने लगाई थी ब्रेक

एक्सप्रेसवे पर नगला खंगर थानाक्षेत्र में माइल स्टोन 60 पर हुआ बुधवार सुबह पांच बजे ट्रक चालक ने अचानक से ब्रेक लगा दी। इससे गोविंद कार से नियंत्रण खो बैठे। कार अनियंत्रित होकर ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे के बाद अफरातफरी मच गई। सूचना पर पुलिस पहुंची।

तीन गंभीर घायलों को सैफई मेडिकल कालेज भेजा

तीन गंभीर घायलों शिवम राज बहादुर और प्रीति को एंबुलेंस से सैफई भेजा गया है। अन्य घायलों को जिला संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद में भर्ती कराया गया है। इंस्पेक्टर गिरीश कुमार ने बताया कि ट्रक चालक के अचानक ब्रेक लगाने से कार पीछे से जा भिड़ी है। दुर्घटना में चालक समेत नौ लोग घायल हैं। तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जाएगी।

गाजियाबाद में धू-धू कर जली इलेक्ट्रिक कार, चार्जिंग के दौरान लगी आग, बिल्डिंग में फंसे 17 लोग

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के सूर्य नगर में एक बिल्डिंग के नीचे खड़ी कार में भीषण आग लग गई। गाड़ी बिल्डिंग की सीढ़ियों के पास खड़ी थी, इस वजह से 17 लोग मकान के अंदर ही फंस गए। तत्काल घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई। मौके पर पहुंचकर दमकल की टीम ने आग पर काबू पा लिया।

आग इतनी तेजी से फैली कि बिल्डिंग में मौजूद करीब 15 से 17 लोगों की जान खतरे में पड़ गई। पूरी बिल्डिंग में धुआं भर गया और लोग अपने घरों में फंस गए। हालांकि समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। बिल्डिंग की स्टिल्ट पार्किंग में एक ई-व्हीकल चार्जिंग पर लगा हुआ था। देर रात अचानक कार से धुआं निकलना शुरू हुआ और देखते ही देखते उसमें भीषण आग लग गई। आग पार्किंग के ठीक उस हिस्से में लगी थी जहां से बिल्डिंग की सीढ़ियां ऊपर जाती थीं। ऐसे में आग और धुएं की वजह से लोगों का नीचे उतरना पूरी तरह बंद हो गया। बिल्डिंग में रहने वाले लोग जान बचाने के लिए घबरा गए। कई परिवारों ने अपने बच्चों और बुजुर्गों को लेकर पड़ोसी इमारतों की छतों के जरिए बाहर निकलने की कोशिश की। कुछ लोग छत से दूसरी बिल्डिंग में पहुंचे और वहां से सुरक्षित बाहर निकाले गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कुछ देर के लिए हालात इतने खराब हो गए थे कि लोगों को लगा अब बाहर निकल पाना मुश्किल हो जाएगा।

फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और सबसे पहले आग की लपटों को नियंत्रित करने का प्रयास किया। आग लगने की वजह से पार्किंग का रास्ता पूरी तरह बंद हो चुका था, जिससे राहत कार्य में भी परेशानी आई। बावजूद इसके फायर टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि देर रात कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके के लिए रवाना कर दी गई थीं। जब टीम वहां पहुंची तो देखा कि एक इलेक्ट्रिक वाहन में आग लगी हुई थी और धुआं पूरी बिल्डिंग में फैल रहा था। फायर कर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आग बुझाई और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट मेरठ के एक पद पर नियुक्ति हेतु इच्छुक आवदेन मांगे गए

मेरठ। जिला न्यायाधीश मेरठ अरविन्द कुमार मिश्रा-द्वितीय ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के पत्रांक दिनॉकित 21 मई 2026 के द्वारा जनपद न्यायालय, मेरठ में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट, मेरठ के एक पद पर नियुक्ति हेतु ऐसे अभ्यर्थीयों से जो अन्तर्गत धारा-11 बी०एन०एस०एस० के द्वारा विहित योग्यता रखते हो (who hold or has held any post under the government and possess the decree of law or otherwise is well experienced in relation to the legal affairs) से आवेदन पत्र आमन्त्रित किये गये है। आवेदन पत्र का प्रारूप माननीय उच्च न्यायालय की बेबसाईट www.allahabad-highcourt.in तथा जिला न्यायालय, मेरठ की बेबसाईट meerut.dcourts.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।

निक्की भाटी डेथ केस : पंचायत में दोनों परिवारों ने किया समझौता, ससुराल वापस जाएगी बड़ी बहन, बच्चों के लिए रखी ये शर्त

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में निक्की भाटी डेथ केस में अब नया मोड़ सामने आया है। अब करीब नौ महीने से चले आ रहे विवाद के बाद आखिरकार दोनों पक्षों के बीच पंचायत में समझौता हो गया। गांव और समाज के लोगों की मौजूदगी में कई दौर की बातचीत हुई, जिसके बाद दोनों परिवार आपसी सहमति पर पहुंच गए। दरअसल, मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या और प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए थे।

दोनों परिवारों का कहना है कि यह फैसला बच्चों के भविष्य और परिवार की भलाई को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। पंचायत में मौजूद बुजुर्गों और समाज के लोगों ने दोनों पक्षों को रिश्तों में आई दूरियां खत्म कर आगे बढ़ने की सलाह दी। पंचायत में सबसे अहम मुद्दा निक्की

भाटी के बच्चों के भविष्य को लेकर रहा। दोनों पक्षों के बीच इस बात पर सहमति बनी कि बच्चों के अधिकार पूरी तरह सुरक्षित किए जाएंगे। बच्चों के नाम संपत्ति करने और उनके पालन-पोषण की जिम्मेदारी को लेकर भी चर्चा हुई, जिस पर सहमति बन गई। पंचायत के जरिए लंबे समय से चले आ रहे तनाव को खत्म करने की कोशिश की गई, ताकि दोनों परिवारों के बीच रिश्ते सामान्य हो सकें।

निक्की भाटी के पिता क्या बोले?

निक्की भाटी के पिता भिखारी सिंह ने बताया कि अब दोनों परिवारों के बीच सहमति बन चुकी है और विवाद खत्म करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि समझौते के बाद जल्द ही अदालत में एफिडेविट दाखिल कर केस वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। परिवार का कहना है कि लंबे समय से चल रहे विवाद के कारण दोनों पक्ष मानसिक और सामाजिक रूप से परेशान थे, इसलिए पंचायत के जरिए समाधान निकाला गया। पंचायत के फैसले के बाद निक्की भाटी की बड़ी बहन कंचन भाटी भी अब अपने ससुराल लौटेगी। वह पिछले नौ महीनों से अपने मायके में रह रही थी। परिवार के लोगों का कहना है कि समझौते के बाद अब रिश्तों को दोबारा सामान्य बनाने की कोशिश की जाएगी।

21 अगस्त 2025 निक्की की जलकर मौत हो गई थी

21 अगस्त 2025 को ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में 26 वर्षीय निक्की भाटी की संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हो गई थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज हत्या और प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए थे। मामला सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी और पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी पति विपिन भाटी को 23 अगस्त 2025 को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। इसके अलावा सास, ससुर और जेठ को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

350 दुकानें, 146 करोड़ खर्च काशी में बनेगा 'नमो बनारसी साड़ी सेंटर'

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी नगर निगम शहर के धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्वरूप को ध्यान में रखते हुए कई बड़े बदलावों की तैयारी कर रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम बनारसी साड़ी उद्योग को भी नई पहचान देने की दिशा में काम कर रहा है। इसके तहत कैंट क्षेत्र में 146 करोड़ रुपए की लागत से 'नमो बनारसी साड़ी सेंटर' विकसित किया जाएगा। मेयर ने बताया कि इस परियोजना के तहत करीब 350 आधुनिक दुकानें बनाई जाएंगी, जिन्हें बनारसी साड़ी कारोबारियों को उपलब्ध कराया जाएगा।

इसका उद्देश्य शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों से व्यापारिक गतिविधियों को व्यवस्थित करना और बनारसी साड़ी को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से पर्यटन, व्यापार और रोजगार को एक साथ जोड़ने में मदद मिलेगी। साथ ही बनारसी साड़ी

की ब्रांडिंग और मार्केटिंग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा मिलेगा।

वहीं नगर निगम की योजना के तहत आने वाले शारदीय नवरात्रि से पहले शहर के मुख्य हिस्सों से नॉनवेज और मीट की दुकानों को हटाकर शहर के चारों प्रवेश द्वारों पर विकसित किए जाने वाले विशेष मीट मार्केट में स्थानांतरित किया जाएगा।

वाराणसी के मेयर अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि काशी बाबा विश्वनाथ और मां अन्नपूर्णा की नगरी है, जहां प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में शहर की धार्मिक भावनाओं और सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि नए मीट मार्केट आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे और यहां कारोबार करने वाले दुकानदारों को विधिवत लाइसेंस भी जारी किए जाएंगे।

शहर में बनेंगे नए कॉम्प्लेक्स और व्यापारिक केंद्र

नगर निगम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नए व्यावसायिक केंद्र भी विकसित करने जा रहा है। बेनियाबाग में 138 दुकानों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा सिगरा में रुद्राक्ष मार्केट और भोजूबीर व जेपी मेहता क्षेत्र में नए व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य व्यापारिक गतिविधियों को संगठित करना और स्थानीय व्यवसायियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

पार्किंग व्यवस्था पर जोर

वाराणसी में लगातार बढ़ रही पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए नगर निगम पार्किंग सुविधाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। मेयर ने बताया कि परेड कोठी में नए पार्किंग स्थल का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा मैदागिन और लहुराबीर क्षेत्रों में मल्टीस्टोरी पार्किंग बनाई जाएगी। सिगरा में अंडरग्राउंड पार्किंग और होटल परियोजना भी प्रस्तावित है। वहीं, अस्सी घाट पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए वहां मैकेनाइज्ड मल्टी-लेवल पार्किंग का निर्माण कराया जाएगा। अस्सी घाट पर सुबह-ए-बनारस कार्यक्रम और विभिन्न आरतियों के कारण पूरे वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं।

स्वच्छता रैंकिंग में वाराणसी की बड़ी छलांग

मेयर अशोक कुमार तिवारी ने पिछले तीन वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में वाराणसी देश में 41वें स्थान पर था, जबकि 2025 में शहर 17वें स्थान तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में देश के शीर्ष पांच शहरों में शामिल होना है। इसके लिए सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। नगर निगम ने सफाईकर्मियों की संख्या 4,075 से बढ़ाकर 7,428 कर दी है। प्रमुख मंदिरों और प्रमुख मार्गों पर तीन शिफ्टों में सफाई कार्य कराया जा रहा है।

करसड़ा डंपिंग ग्राउंड से हटेगा कूड़े का पहाड़

नगर निगम की सबसे महत्वाकांक्षी योजनाओं में करसड़ा डंपिंग ग्राउंड का वैज्ञानिक निस्तारण भी शामिल है। मेयर के अनुसार, पिछले लगभग 10 वर्षों में यहां 12।64 लाख मीट्रिक टन कूड़ा जमा हो चुका है, जो आसपास के पर्यावरण और स्थानीय निवासियों के लिए बड़ी समस्या बन गया था। इस समस्या के समाधान के लिए नगर निगम ने 53।15 करोड़ रुपए की परियोजना तैयार की है। इसके तहत बायोमाइनिंग तकनीक के जरिए कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा।

मियावाकी तकनीक से विकसित होगा हरित वन क्षेत्र

कूड़े के निस्तारण के बाद खाली होने वाली लगभग 25 एकड़ भूमि पर जापानी मियावाकी तकनीक के जरिए घना जंगल विकसित किया जाएगा। नगर निगम का मानना है कि इससे शहर का कार्बन फुटप्रिंट कम होगा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। नगर निगम के इस रोडमैप को वाराणसी को एक स्वच्छ, व्यवस्थित, पर्यटन-अनुकूल और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। आने वाले वर्षों में इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से काशी की तस्वीर और पहचान दोनों बदलने की उम्मीद जताई जा रही है।

शास्त्रीनगर मे दोनों स्थानों पर धरना जारी, महिलाओं ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

मेरठ। सेटबैक के विरोध में शास्त्रीनगर में दो स्थानों पर चल रहा महिलाओं का धरना भीषण गर्मी के बावजूद बुधवार को भी जारी रहा। इस दौरान दोनों ही धरना स्थल पर महिलाओं ने हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए बजरंगबली का स्मरण किया। बुधवार को शास्त्रीनगर सेक्टर दो में तिरंगा रोड पर रोजाना की तरह महिलाएं धरना देकर बैठीं। धरना स्थल पर महिलाओं ने हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए राम नाम का जाप किया। इसी के साथ भगवान से अपने व्यापार और मकान बचाने की प्रार्थना की। दूसरी तरफ सेक्टर चार के चौराहे पर चल रहा शास्त्रीनगर सेक्टर तीन और चार की महिलाओं का धरना भी बुधवार को कड़ी धूप के बावजूद जारी रहा। भीषण गर्मी में धरने पर बैठी महिलाओं ने धरना स्थल पर हनुमान चालीसा का पाठ किया। महिलाओं का कहना है कि संकट मोचन हनुमान सबके संकट हरते हैं।

बर्फ-पहाड़ और खतरनाक रास्ते... ये हैं भारत के 5 सबसे खतरनाक ट्रैक

अगर आप भी एडवेंचर और ट्रैकिंग के शौकीन हैं और ऐसी जगहों की तलाश में हैं जहां रोमांच हर कदम पर महसूस हो, तो भारत के ये खतरनाक ट्रैक आपके लिए यादगार अनुभव साबित हो सकते हैं। हम आपको भारत के 5 सबसे खतरनाक ट्रैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पहुंचना हर किसी के बस की बात नहीं है।

ट्रैकिंग एक ऐसी एक्टिविटी है, जो आपको न सिर्फ एक अलग एक्सपीरियंस देती है बल्कि कई नई चीजों से रूबरू भी करती है। एडवेंचर पसंद लोगों के लिए ट्रैकिंग करना सुकूव का जरिया होता है। भारत में ट्रैकिंग का शौक रखने वालों की कमी नहीं है। वहीं, यहां आपको हिमाचल से लेकर उत्तराखंड और लद्दाख में ऐसे-ऐसे ट्रेक मिल जाएंगे, जो अलग ही अनुभव देते हैं। ट्रैकिंग करना जितना मजेदार होता है उतना ही खतरनाक भी। कई ट्रेक ऐसे हैं जहां मौसम पलभर में बदल जाता है, रास्ते बेहद संकरे होते हैं और जरा सी लापरवाही भारी पड़ सकती है।

अगर आप भी ट्रैकिंग के शौकीन हैं और अब कुछ तुफानी करना चाहते हैं तो हम आपके लिए भारत के 5 सबसे खतरनाक ट्रैक लेकर आए हैं। ऊंची चोटियों के बीच बने ये ट्रैक अपने शानदार नजारों के साथ-साथ कठिन रास्तों के लिए भी दुनियाभर में मशहूर हैं। चलिए जानते हैं इनके बारे में।

चादर ट्रैक, लद्दाख

भारत के सबसे खतरनाक ट्रैक की बात की जाए तो इसमें चादर ट्रैक का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यहां का तापमान माइनस 25 से 30 डिग्री तक पहुंच जाता है, जिसमें ट्रैक करना किसी चैलेंज से कम नहीं होता है। ये ट्रैक लद्दाख में जमी हुई जंस्कार नदी पर किया जाता है।। सर्दियों में जब नदी पूरी तरह बर्फ की मोटी चादर में बदल जाती है, तब लोग इस ट्रेक पर निकलते हैं। इस ट्रैकिंग के दौरान रास्ते बेहद कठिन होते हैं, मौसम अपना रूख बदलता रहता है। बर्फ कभी भी टूट सकती है और मौसम अचानक खराब हो सकता है। हालांकि चारों तरफ दिखाई देने वाले बर्फीले पहाड़ और जमी हुई नदी का नजारा लोगों को रोमांच से भर देता है।

कालिंदी खाल ट्रैक, उत्तराखंड

उत्तराखंड का कालिंदी खाल ट्रैक भी खतरनाक ट्रैक की लिस्ट में आता है। ये काफी कठिन रास्तों से होकर गुजरता है, जिसे पूरा करना हर किसी की बस की बात नहीं होती है। यह ट्रेक गंगोत्री और बद्रीनाथ को जोड़ता है और इसकी ऊंचाई करीब 19 हजार फीट तक पहुंचती है। यहां ट्रेकर्स को ग्लेशियर, बर्फीले रास्ते और पत्थरों से भरे खतरनाक मार्ग पार करने पड़ते हैं। ऑक्सीजन की कमी और खराब मौसम इस ट्रेक को और चुनौतीपूर्ण बना देते हैं। ऐसे में इस ट्रेक पर सिर्फ एक्सपीरियंस ट्रैकर्स को जाने की सलाह दी जाती है।

पिन पार्वती ट्रैक, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश का पिन पार्वती ट्रैक अपनी खूबसूरती के साथ-साथ खतरनाक रास्तों के लिए भी जाना जाता है। ये ट्रैक पार्वती वैली को स्पीति घाटी से जोड़ता है। यहां रास्ते बेहद संकरे और फिसलन भरे होते हैं। कई जगहों पर ट्रैकर्स को बर्फीले ग्लेशियर और तेज बहती नदियों को पार करना पड़ता है। ऊंचाई ज्यादा होने के कारण सांस लेने में दिक्कत भी हो सकती है। हालांकि यहां के पहाड़, झीलें और बर्फ से ढकी चोटियां सफर को यादगार बना देती हैं।

स्टोक कांगड़ी ट्रैक, लद्दाख

स्टोक कांगड़ी ट्रैक को भारत के सबसे मुश्किल और खतरनाक ट्रैक में गिना जाता है। ये ट्रैक करीब 20 हजार फीट की ऊंचाई तक पहुंचता है। यहां ट्रेकिंग के दौरान तेज बर्फीली हवाएं, खड़ी चढ़ाई और ऑक्सीजन की कमी बड़ी चुनौती बन जाती है। कई बार खराब मौसम की वजह से ट्रैक बीच में रोकना भी पड़ता है। हालांकि जो लोग इस ट्रैक को पूरा कर लेते हैं, उन्हें लद्दाख की खूबसूरत वादियों और हिमालय की शानदार चोटियों का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है।

फ्रिज में प्लास्टिक और कांच की बोतल में से किसमें पानी रखना होता है बेहतर?

पानी को स्टोर करने के लिए प्लास्टिक और कांच की बोतल, दोनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, जब बात फ्रिज में पानी स्टोर करने की आती है तो इस पर काफी चर्चा होती रहती है। कुछ लोग कहते हैं कि प्लास्टिक की बोतल में पानी रखना हानिकारक है, वहीं कुछ लोग कांच की बोतल को बेहतर मानते हैं। आइए जानते हैं कि फ्रिज में पानी स्टोर करने के लिए कौन-सी बोतल का इस्तेमाल करना चाहिए।

प्लास्टिक की बोतल में पानी स्टोर करना सुरक्षित है?

प्लास्टिक की बोतल में पानी स्टोर करना सुरक्षित है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस तरह की प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं। अगर आप बिना हानिकारक रसायनों वाली प्लास्टिक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह सुरक्षित है। हालांकि, सस्ती और घटिया गुणवत्ता की प्लास्टिक में नुकसानदायक रसायन होते हैं, जो पानी में मिल सकते हैं और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

कांच की बोतल का चयन करना

कांच की बोतल एक अच्छा विकल्प हो सकता है, क्योंकि यह बिना किसी हानिकारक रसायन के होती है। इसके अलावा कांच की बोतलें लंबे समय तक चलती हैं और इनमें रखा पानी ताजा भी लगता है। हालांकि, कांच की बोतलें भारी होती हैं और टूटने का खतरा अधिक होता है, इसलिए इन्हें संभालते समय सावधानी बरतें। इसके साथ ही इन्हें धोकर साफ रखना भी जरूरी है, ताकि इनमें बैक्टीरिया न पनप सकें।

प्लास्टिक बनाम कांच: कौन-सी बोतल है बेहतर?

अब सवाल यह है कि प्लास्टिक और कांच में से कौन-सी बोतल बेहतर है? इसका जवाब देना मुश्किल है, क्योंकि दोनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। अगर आप लंबे समय तक चलने वाला समाधान चाहते हैं तो कांच की बोतल बेहतर है, लेकिन अगर आप यात्रा के दौरान या ऑफिस में आसानी से इस्तेमाल करना चाहते हैं तो प्लास्टिक एक अच्छा विकल्प है। सबसे जरूरी है कि आप हमेशा बिना हानिकारक रसायनों वाली प्लास्टिक का ही चयन करें।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

प्लास्टिक की बोतल में मौजूद कुछ रसायन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। ये रसायन पानी में मिल सकते हैं और शरीर में जाकर कई समस्याएं पैदा कर सकते हैं। इसके विपरीत कांच की बोतलें पूरी तरह से सुरक्षित होती हैं और इनमें रखे पानी का स्वाद भी प्रभावित नहीं होता। इसलिए, स्वास्थ्य के लिहाज से कांच की बोतल अधिक सुरक्षित मानी जाती है। प्लास्टिक की बोतलों में प्लास्टिक के महीन कण भी घुल जाते हैं।

पर्यावरणीय प्रभाव

प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल पर्यावरण के लिए हानिकारक होता है, क्योंकि ये आसानी से नष्ट नहीं होतीं और जमीन पर कई साल तक पड़ी रहती हैं। इससे प्रदूषण बढ़ता है और जलीय जीव-जंतु भी प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर कांच की बोतलें दोबारा इस्तेमाल की जा सकती हैं और इन्हें लंबे समय तक चलाया जा सकता है। इसलिए, पर्यावरण के लिए कांच की बोतलें बेहतर विकल्प साबित होती हैं।

क्या गेहूं का आटा बढ़ाता है बीमारियों का खतरा?

गेंहू का आटा भारतीयों के खाने का एक अहम हिस्सा है। रोटी से लेकर पराठे तक इसी आटे की बनते हैं। लेकिन आजकल सोशल मीडिया पर नो व्हीट फ्लार का ट्रेंड चल रहा है। जिसमें फिटनेस फ्रीक लोग अब गेंहू के आटे को अपनी डाइट से बाहर कर रहे हैं। उनका मानना है कि गेंहू का आटा खाने से मोटापा बढ़ता है। साथ ही कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। लेकिन क्या सच में गेंहू का आटा बीमारियों का खतरा बढ़ाता है?

अगर आप भी इस सवाल का जवाब चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है। यहां फॉर्टिस के डॉक्टर शुभम वत्सल ने बताया है कि गेंहू का आटा वैसे तो इतना नुकसानदायक नहीं है। लेकिन अगर इसे गलत मात्रा या गलत तरीके से खाया जाए तो साइट इफेक्ट हो सकते हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट ?

डॉक्टर शुभम बताते हैं कि गेंहू हर किसी के लिए नुकसानदायक नहीं होता है। लेकिन हां अगर गलत तरीके और गलत मात्रा में इसका सेवन किया जाए तो शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। सबसे पहले तो ये जान लें कि गेंहू एक कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट है, जिसमें ग्लूटेन की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसे में ग्लूटेन फ्री लोग इसे खाने से परहेज करें।

क्या नुकसानदायक है गेंहू का आटा

डॉ। शुभम के मुताबिक, गेंहू का आटा अगर आप रोजाना खाते हैं तो ये नुकसानदायक साबित हो सकता है। क्योंकि अगर आप रोज गेंहू के आटे की रोटी खाते हैं तो इसे खाने के बाद अचानक से शुगर स्पाइक हो सकता है। जो लंबे समय के बाद वजन बढ़ने और फैटी लिवर का कारण बनता है।

किस तरह करें गेंहू के आटे का सेवन

हालांकि, गेंहू के आटे को पूरी तरह से अपनी डाइट से हटाने की जरूरत नहीं है। आप इसे कम मात्रा में खा सकते हैं या फिर किसी दूसरे आटे के साथ मिलाकर खाने से भी इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप शुगर के पेशेंट हैं तो गेंहू के आटे के साथ ज्वार मिक्स करके खाएं। वहीं अगर प्रोटीन इंटेक बढ़ाना चाहते हैं तो बाजरे का आटा मिलाना फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा आयरन की कमी दूर करनी है जो रागी का आटा बेस्ट है। ये तीनों ही आटे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो वजन घटाने से लेकर आयरन और प्रोटीन की कमी दूर करने में मदद करते है।

एक्सरसाइज करते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, घुटनों में बढ़ सकता है दर्द

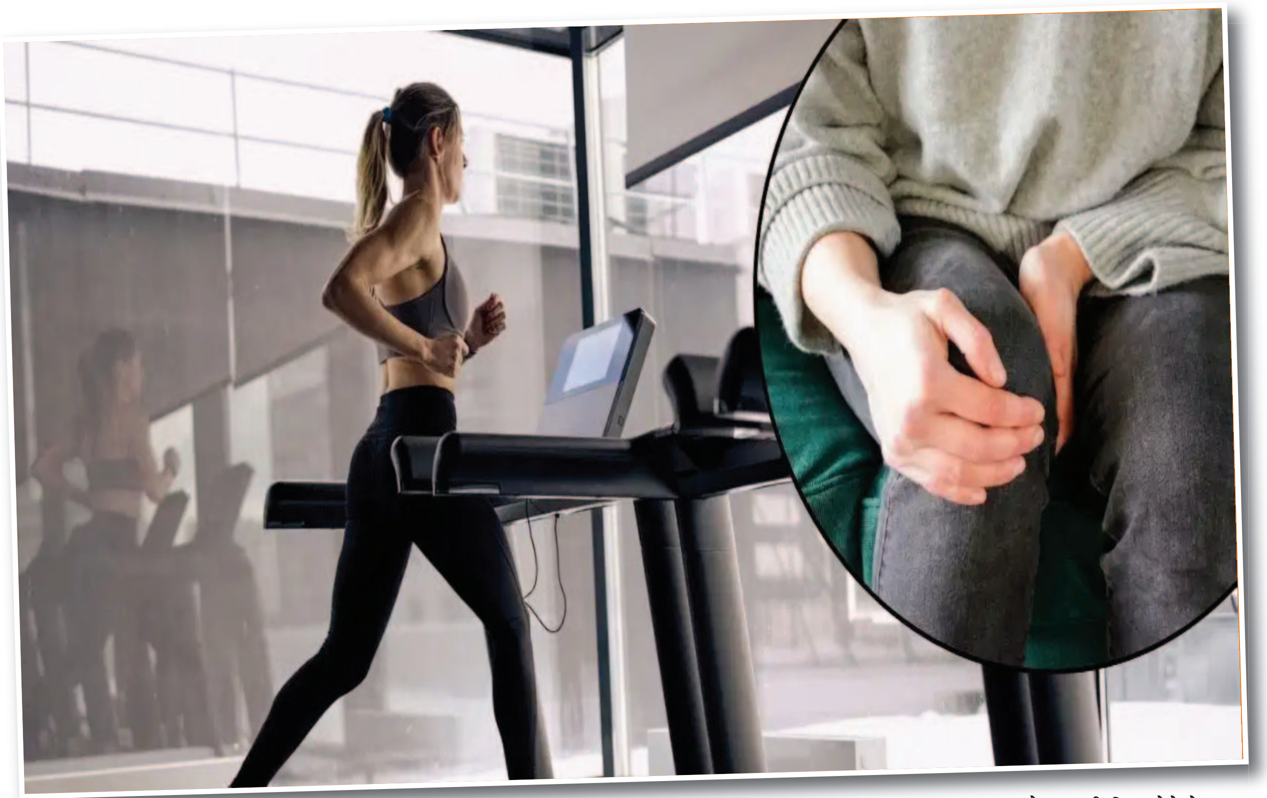

आजकल फिट रहने के लिए लोग जिम, रनिंग, योग और तरह-तरह की एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना रहे हैं। नियमित वर्कआउट शरीर को मजबूत बनाने के साथ वजन कंट्रोल करने और बीमारियों से बचाने में मदद करता है। लेकिन कई बार फिटनेस पाने की जल्दी में लोग ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो शरीर खासकर घुटनों के लिए परेशानी का कारण बन सकती हैं। अगर आप भी रोजाना एक्सरसाइज करते हैं, तो कुछ आम गलतियों से बचना बेहद जरूरी है।

वार्मअप न करना पर सकता है भारी

वार्मअप करना कितना जरूरी है, ये बात आज भी कई लोग नहीं समझ पाते हैं। ऐसे में समय बचाने के चक्कर में वार्मअप को स्किप कर देते हैं और सीधा वर्कआउट करने लगते हैं। ऐसा करना सबसे बड़ी गलती साबित हो सकती है। दरअसल, ऐसा करने से घुटनों की मांसपेशियां अचानक प्रेशर पड़ता है। जिससे दर्द और इंजरी का खतरा बढ़ सकता है। वहीं, अगर आप वार्मअप करते हैं तो इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और जोड़ों में फ्लेक्सिबिलिटी आती है। इसलिए रनिंग, स्क्वैट्स या जंपिंग जैसी एक्सरसाइज से पहले कम से कम 10 मिनट वार्मअप जरूर करें।

गलत पोस्चर में एक्सरसाइज करना

वर्कआउट के दौरान गलत पोश्चर भी घुटनों पर असर डाल सकता है। खासतौर पर स्क्वैट्स, लंजेस और लेग एक्सरसाइज करते समय अगर शरीर का बैलेंस सही न हो, तो घुटनों पर एक्सट्रा दबाव पड़ने लगता है। इससे धीरे-धीरे घुटनों में दर्द, सूजन और लिगामेंट इंजरी की समस्या हो सकती है।

जरूरत से ज्यादा वर्कआउट करना

कुछ लोग जल्दी फिट होने के चक्कर में बहुत ज्यादा समय वर्कआउट में देते हैं। या फिर हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट करने लगते हैं। ऐसा करने से घुटनों के जोड़ कमजोर पड़ सकते हैं। शरीर को आराम न मिलने पर मांसपेशियां रिकवर नहीं हो पातीं और घुटनों में दर्द बढ़ सकता है। इसलिए अपनी कैपेसिटी के अनुसार ही वर्कआउट करें और बीच-बीच में शरीर को आराम भी दें।

गलत जूते पहनकर एक्सरसाइज करना

वर्कआउट करने के लिए सही जूतों का चुनाव भी बेहद जरूरी है। कई लोग नॉर्मल जूते पहनकर ही रनिंग या वर्कआउट स्टार्ट कर देते हैं। जिससे घुटनों पर झटका ज्यादा पड़ता ह। सही स्पोर्ट्स शूज पैरों और घुटनों को बेहतर सपोर्ट देते हैं और दबाव को कम करने में मदद करते हैं। इसलिए हमेशा अच्छी क्वालिटी के ही शूज पहनकर वर्कआउट करें।

पश्चिमी एशिया के संकट से देश में खाद का सरकारी खर्च (सब्सिडी) 3 लाख करोड़ रुपये के पार जा सकता है। हालांकि, सरकार ने साफ किया है कि गोदामों में 2 करोड़ टन से ज्यादा का स्टॉक मौजूद है। इसलिए किसान बिल्कुल परेशान न हों, खेतों के लिए खाद की कोई किल्लत नहीं होगी। बस अंतरराष्ट्रीय महंगाई से सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ेगा।

विदेश की जंग से भारत में खाद का खर्च 3 लाख करोड़ पार! सरकार बोली- देश में कमी नहीं, किसान न हों परेशान

पश्चिमी एशिया में चल रहे तनाव का सीधा असर अब भारत के सरकारी खजाने पर साफ दिखने लगा है। अगर यह भू-राजनीतिक संकट यूं ही खिंचता रहा, तो मौजूदा वित्त वर्ष में केंद्र सरकार का खाद (फर्टिलाइजर) सब्सिडी बिल 3 लाख करोड़ रुपये के पार जा सकता है। यह रकम बजट में तय किए गए 1।79 लाख करोड़ रुपये के अनुमान से कहीं ज्यादा है। आम आदमी और किसानों के लिए राहत की बात सिर्फ इतनी है कि देश में खाद का पर्याप्त भंडार मौजूद है, इसलिए बुवाई के समय किसी भी तरह की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन, इस भारी-भरकम सुरक्षित भंडार को बनाए रखने की कीमत सरकार को ऐतिहासिक सब्सिडी चुकाकर देनी पड़ रही है।

खजाने पर भारी पड़ेगी यह जंग

उर्वरक विभाग के संयुक्त सचिव कृष्ण कांत पाठक ने इक्रियर (ICRIER) के एक कार्यक्रम में स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट किया। पश्चिमी एशिया में युद्ध शुरू होने से पहले भारत का खाद सब्सिडी बिल करीब 2 लाख करोड़ रुपये हुआ करता था। अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्लाई चेन बिगड़ने से लागत तेजी से बढ़ रही है। अगर हालात जल्द नहीं सुधरे, तो सब्सिडी का यह आंकड़ा 3 लाख करोड़ के पार पहुंच जाएगा। याद रहे, अब तक की सबसे ज्यादा खाद सब्सिडी वित्त वर्ष 2022-23 में 2।51 लाख करोड़ रुपये रही थी। जाहिर है, सरकारी खजाने पर इतना बड़ा अतिरिक्त बोझ आम आदमी से जुड़े अन्य आर्थिक फैसलों को प्रभावित कर सकता है।

खाद की कोई कमी नहीं

आम लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि क्या इस संकट से कृषि पर ब्रेक लगेगा? सरकार का कहना है कि चिंता की कोई बात नहीं है। हमारे पास अभी 2 करोड़ (20 मिलियन) टन से ज्यादा खाद का रिजर्व मौजूद है। भारत हर साल लगभग 7 करोड़ टन खाद की खपत करता है। इसमें 4 करोड़ टन तो सिर्फ यूरिया शामिल है। इसके अलावा 1 करोड़ टन डीएपी (DAP) तथा 1।5 करोड़ टन एनपीकेएस (NPKS) की खपत होती है। खपत का यह विशाल आंकड़ा ही हमारे आयात बिल को बढ़ाता है।

यूरिया का सटीक विकल्प तलाशना जरूरी

यूरिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल कृषि क्षेत्र की एक बड़ी समस्या है। खेतों में डाले गए यूरिया का सिर्फ 30 प्रतिशत ही मिट्टी सोख पाती है, बाकी बेकार चला जाता है। नैनो यूरिया से लेकर नीम-कोटेड यूरिया जैसे प्रयोगों से भी कोई बहुत बड़ी कामयाबी हासिल नहीं हुई। अब समय आ गया है कि हम जिंक-कोटेड या सल्फर-कोटेड यूरिया जैसी नई और असरदार तकनीकों की तरफ बढ़ें। अमोनियम सल्फेट का इस्तेमाल बढ़ाना भी एक बेहतरीन कदम हो सकता है, क्योंकि इसे मिट्टी लगभग 70 प्रतिशत तक सोख लेती है। इसके साथ ही रागी, तिल जैसी देसी फसलों सहित दालों की खेती बढ़ाकर भी रसायनिक खाद पर निर्भरता घटाई जा सकती है।

मुंबई में सस्ता घर पाने को मची होड़, 2640 के लिए आए 82000 से ज्यादा आवेदन

महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी मुंबई में बजट फ्लैट्स के लिए रजिस्ट्रेशन विंडो 28 मई को बंद हो रही है। अगर कोई मुंबई में सस्ता फ्लैट खरीदना चाहते हैं तो वो आवेदन कर सकते हैं। अभी तक 2640 फ्लैट्स के लिए 82 हजार से ज्यादा आवेदन आ चुके हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस स्कीम में किस तरह से आवेदन किया जा सकता है। साथ ही इन फ्लैट्स की कितनी कीमत है?

मुंबई में सस्ते फ्लैट्स की तलाश कर रहे लोगों के लिए, महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएचएडीए) एक बड़ा मौका लेकर आई है। एमएचएडीए ने देश की आर्थिक राजधानी के रियल एस्टेट मार्केट में 2,640 सस्ते घरों के लिए हाउसिंग ड्रॉ की घोषणा किए हुए लगभग दो महीने हो चुके हैं। पहली घोषणा के बाद से, एमएचएडीए लॉटरी 2026 के लिए 82,000 से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। खास बात तो ये है कि इस लॉटरी में आवेदन करने के लिए अभी भी दो का समय बाकी है।

एमएचएडीए लॉटरी के लिए रजिस्ट्रेशन कहां करें?

इच्छुक उम्मीदवार 28 मई की डेडलाइन से पहले एमएचएडीए की ऑफिशियल वेबसाइट https://housing।mhada।gov।in पर अप्लाई कर सकते हैं। इससे पहले, अप्लाई करने की आखिरी तारीख 14 मई थी, लेकिन हाउसिंग अथॉरिटी ने इसे लगभग 14 दिनों के लिए बढ़ा दिया।

इन डॉक्युमेंट्स की पड़ेगी जरुरत

मोबाइल नंबर (आधार से लिंक)
ईमेल आईडी
आधार कार्ड
पैन कार्ड
पति/पत्नी का आधार कार्ड (अगर शादीशुदा हैं)
पति/पत्नी का पैन कार्ड (अगर शादीशुदा हैं)
डोमिसाइल सर्टिफिकेट (मूल निवास प्रमाण पत्र)
आईटीआर (खुद का)
आईटीआर (पति/पत्नी का)
तहसीलदार का इनकम सर्टिफिकेट
जाति आरक्षण/जाति से जुड़ी शर्तें
विशेष श्रेणियों से जुड़ी शर्तें
विधवा आवेदकों को पति/पत्नी का मृत्यु प्रमाण पत्र देना होगा

एमएचएडीए लॉटरी 2026 का शेड्यूल

बदले हुए शेड्यूल के मुताबिक, ऑनलाइन आवेदन गुरुवार रात 11:59 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। हालांकि, अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (बयाना राशि) जमा करने की विंडो 29 मई 2026 की रात 11:59 बजे के बाद बंद हो जाएगी। आवेदकों को 29 मई 2026 को संबंधित बैंक के काम के घंटों के दौरान आरटीजीएस/एनईएफटी के जरिए अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट जमा करके रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा करना होगा। यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि एमएचएडीए ने पहले भी दो बार आवेदन की डेडलाइन बढ़ाई है, और अब इसे और आगे बढ़ाने के बारे में कोई अपडेट नहीं है।

एमएचएडीए के कैलेंडर के मुताबिक, लॉटरी के लिए मिले आवेदनों की प्रोविजनल लिस्ट 10 जून को दोपहर 3:00 बजे ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी की जाएगी। उम्मीदवारों को 12 जून 2026 को दोपहर 3:00 बजे तक ऑनलाइन क्लेम और आपत्तियां जमा करने की अनुमति होगी। अधिकारी 16 जून 2026 को दोपहर 3:00 बजे एमएचएडीए की वेबसाइट पर स्वीकार किए गए आवेदनों की फाइनल लिस्ट प्रकाशित करेंगे।

महाराष्ट्र हाउसिंग अथॉरिटी बाद में अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर घरों की सेल्स के लिए कम्प्यूटराइज्ड ड्रॉ की तारीख, स्थान और समय की घोषणा करेगा। एचटी की रिपोर्ट के अनुसार, एमएचएडीए ने लगभग आधे अपार्टमेंट की कीमतें कम कर दी हैं और मुंबई के विक्रोली इलाके में स्थित 1,221 घरों की सेल प्राइस में 7.5 फीसदी की कटौती की है।

जिन घरों की बिक्री कीमतें कम की गई हैं, उनमें विक्रोली के 610 अपार्टमेंट शामिल हैं, जिनकी कैटेगिरी रिजर्वेशन दो सप्ताह पहले एमआईजी से बदलकर एचआईजी कर दिया गया था।हाउसिंग अथॉरिटी के आंकड़ों का हवाला देते हुए एचटी ने बताया कि 25 मई 2026 तक, एमएचएडीए को 2,640 अपार्टमेंट के लिए 84,782 आवेदन और फ्लैट खरीदने के इच्छुक आवेदकों से 59,069 बयाना जमा (ईएमडी) प्राप्त हुए थे।

66 फीसदी निर्माणाधीन

एमएचएडीए की वेबसाइट के अनुसार, मुंबई में बिक्री के लिए उपलब्ध कुल 2,640 किफायती घरों में से 1,762 अपार्टमेंट, या लगभग 66 फीसदी, अभी निर्माणाधीन हैं। बिक्री के लिए उपलब्ध ये निर्माणाधीन अपार्टमेंट विक्रोली, गोरेगांव और बोरीवली में स्थित हैं। बोरीवली ईस्ट में कुल 128 अपार्टमेंट निर्माणाधीन हैं, गोरेगांव पश्चिम में 85, और बाकी कनमवार नगर और विक्रोली में हैं।

कितनी है घरों में कीमत?

एमएचएडीए लॉटरी 2026 में मुंबई भर में कई स्थानों पर अपार्टमेंट शामिल हैं, जिनमें विक्रोली, गोरेगांव, बोरीवली, गोराई, चेंबूर, बांद्रा, घाटकोपर, घाटकोपर, वडाला, पवई और दादर, तथा अन्य स्थान शामिल हैं। सबसे महंगे अपार्टमेंट साउथ मुंबई के तारदेव में स्थित हैं, जो हाई इनकम ग्रुप (एचआईजी) कैटेगिरी के अंतर्गत आते हैं, और इनकी कीमत 6।82 करोड़ रुपए है। इस बीच, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) कैटेगिरी के तहत सबसे किफायती अपार्टमेंट मानखुर्द में हैं, जिनकी कीमत 29 लाख रुपए से अधिक है। गोरेगांव में 300 वर्ग फुट एरिया वाले अपार्टमेंट की कीमत 32 लाख रुपए है।

इजराइल ने नए हमास चीफ को बनाया निशाना, 11 दिन पहले पुराने कमांडर की हुई थी मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने गाजा में हमास के नए सैन्य प्रमुख मोहम्मद ओदेह को निशाना बनाकर बड़ा हमला किया है। यह हमला हमास के पिछले नेता इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद की मौत के सिर्फ 11 दिन बाद हुआ। अल-हद्दाद की 15 मई को गाजा सिटी में इजराइली हमले में मौत हुई थी। इसके बाद मोहम्मद ओदेह को हमास की सैन्य शाखा और गाजा में संगठन का नया प्रमुख बनाया गया था।

मंगलवार शाम इजराइल ने गाजा सिटी के पश्चिमी हिस्से रिमाल इलाके में एयरस्ट्राइक की। गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, हमले में कम से कम 3 लोगों की मौत हुई और 20 लोग घायल हो गए। यह एजेंसी हमास के नियंत्रण में काम करती है। हमास ने तुरंत इस हमले पर कोई बयान नहीं दिया। वहीं इजराइल ने भी आधिकारिक तौर पर ओदेह की मौत की पुष्टि नहीं की। हालांकि इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक हमला सफल रहा और ओदेह मारा गया। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि मोहम्मद ओदेह 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमलों के दौरान हमास की खुफिया शाखा का प्रमुख था। इजराइल का आरोप है कि वह कई इजराइली नागरिकों और सैनिकों की हत्या, अपहरण और हमलों के लिए जिम्मेदार था।

सऊदी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओदेह, अल-हद्दाद का करीबी सहयोगी था। उसने हमास के पुराने नेताओं मुहम्मद दीफ और मुहम्मद सिनवार की मौत के बाद संगठन को फिर से मजबूत करने में मदद की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मई 2025 में सिनवार की मौत के बाद ओदेह को अल-कस्साम ब्रिगेड का नेतृत्व संभालने का प्रस्ताव मिला था, लेकिन उसने शुरुआत में मना कर दिया था। बाद में उसे यह जिम्मेदारी दी गई।

पहले भी ओदेह को निशाना बना चुका है इजराइल

इजराइली रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओदेह ने 7 अक्टूबर हमले से पहले गाजा सीमा के पास इजराइली सैन्य ठिकानों और सेना की कमजोरियों की जानकारी जुटाने का काम किया था। उसकी उम्र करीब 40 से 50 साल के बीच बताई जाती है और वह बचपन से ही हमास से जुड़ा हुआ था। इजराइल पहले भी कई बार ओदेह को निशाना बना चुका है। 2025 में उसके पिता के घर पर हुए हमले में उसके बड़े बेटे अम्र की मौत हो गई थी। इजराइल ने कहा है कि 7 अक्टूबर हमले में शामिल हर व्यक्ति को वह ढूंढकर कार्रवाई करेगा।

ईरान वार्ता के बीच ट्रंप की मीटिंग लोकेशन बदली, व्हाइट हाउस में होगी हाई लेवल कैबिनेट बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खराब मौसम की वजह से अपनी कैबिनेट बैठक की जगह बदल दी है। पहले यह बैठक मैरीलैंड के कैंप डेविड में होने वाली थी, लेकिन अब इसे व्हाइट हाउस में किया जाएगा। बुधवार को होने वाली बैठक में कैबिनेट के सभी मेंबर शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक। पूर्व नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड भी बैठक में मौजूद रहेंगी। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत तेज हो गई है।

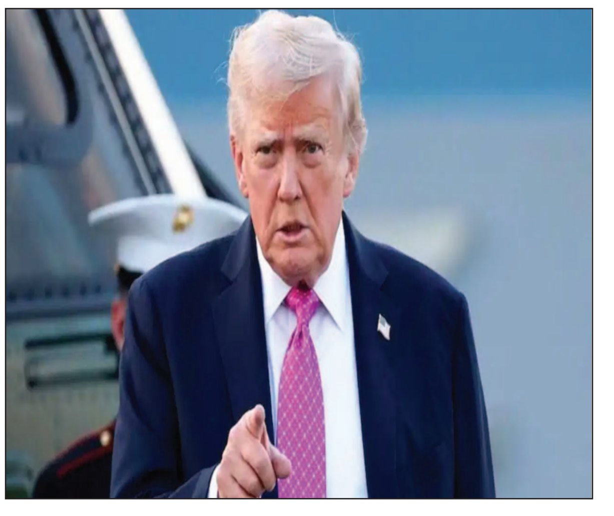

कैंप डेविड अमेरिका का एक खास सरकारी परिसर है, जहां बड़े राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति से जुड़े फैसलों पर बैठकें होती हैं। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में वहां 15 अहम बैठकें कर चुके हैं। जून 2025 में भी उन्होंने ईरान और गाजा को लेकर वहां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की थी। इसके कुछ हफ्तों बाद अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था।

ईरान मामले पर होगी चर्चा

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक, ईरान से जुड़े हालात भी बैठक का अहम हिस्सा होंगे। साथ ही अमेरिकी अर्थव्यवस्था, छोटे कारोबार, सरकारी धोखाधड़ी रोकने वाली टास्क फोर्स और विदेश नीति से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी।

ट्रंप पिछले कुछ दिनों से कह रहे हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की दिशा में प्रगति हो रही है। लेकिन ईरान के अधिकारियों का कहना है कि अभी किसी बड़े समझौते की उम्मीद नहीं है। हाल ही में अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास सैन्य कार्रवाई की थी, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। हालांकि दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम बनाए रखने की कोशिश भी जारी है। हालांकि ट्रंप ने फिर कहा है कि अगर बातचीत विफल होती है तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प अभी भी खुला है।

सीजफायर के बावजूद हमले

हाल ही में अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री माइंस बिछाने वाले ईरानी जहाजों और बंदर अब्बास के पास मिसाइल लॉन्चर साइट पर हमला किया था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी CENTCOM ने कहा कि यह कार्रवाई अमेरिकी जहाजों और विमानों की सुरक्षा के लिए की गई थी। इस बीच कतर में अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों के बीच बातचीत जारी है। इसमें होर्मुज स्ट्रेट से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही दोबारा शुरू करने, ईरान पर लगे प्रतिबंधों में राहत और उसके परमाणु कार्यक्रम पर आगे की बातचीत जैसे मुद्दों पर चर्चा हो रही है।

चांद पर रहेंगे अमेरिका के लोग! क्या है नासा का 2030 तक का प्लान?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा चांद पर इंसानों के रहने के लिए स्थायी बेस बनाने की तैयारी कर रही है। नासा ने इस योजना के अगले चरण की जानकारी दी है। इसके तहत एजेंसी चांद पर रोबोटिक लैंडर, ड्रोन और खास वाहन भेजेगी। इन मशीनों की मदद से चांद की जमीन की स्टडी की जाएगी और भविष्य में इंसानों के रहने की तैयारी होगी।

नासा इस मिशन में कई निजी कंपनियों की मदद ले रहा है। इनमें ब्लू ओरिजिन, इंट्यूटिव मशीन्स और एस्ट्रोबोटिक शामिल हैं। ब्लू ओरिजिन अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस की कंपनी है, जो एंड्योरेंस नाम का खास लूनर लैंडर बनाएगी। अमेरिका की योजना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल खत्म होने से पहले, यानी 2029 तक फिर से इंसानों को चांद पर उतारा जाए।

अमेरिका को चीन की चुनौती

अमेरिका के इस मिशन में अमेरिका की सीधी टक्कर चीन से है। चीन भी 2030 तक इंसानों को चांद पर भेजने की तैयारी कर रहा है। हाल ही में चीन ने अपना शेनझोउ-23 मिशन लॉन्च किया और अंतरिक्ष यात्रियों को तियांगोंग स्पेस स्टेशन भेजा। इससे साफ है कि चीन भी स्पेस रेस में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मार्च 2026 में नासा ने करीब 20 अरब डॉलर की योजना का ऐलान किया था। इसके तहत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर परमाणु और सौर ऊर्जा से चलने वाला स्थायी बेस बनाया जाएगा। नासा प्रमुख जेरेड इसाकमैन ने कहा कि अमेरिका अब चांद को दोबारा नहीं छोड़ेगा।

तीन हिस्सों में पूरा होगा नासा का प्लान

पहले चरण में रोबोटिक लैंडर और ड्रोन चांद की सतह का नक्शा बनाएंगे और वहां की जमीन की जांच करेंगे। ऐसे वाहन भी भेजे जाएंगे जो भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों को चांद पर घूमने और सामान ले जाने में मदद करेंगे। एस्ट्रोबोटिक का ग्रिफिन-1 लैंडर चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास नोबाइल क्रेटर में उतरेगा। ये मशीनें हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे और लेजर तकनीक वाले उपकरण भी ले जाएंगी, ताकि सुरक्षित लैंडिंग हो सके। नासा का लक्ष्य है कि 2029 तक 25 लॉन्च किए जाएं और करीब 4 मीट्रिक टन सामान चांद पर पहुंचाया जाए। इसके बाद वहां परमाणु रिएक्टर और सोलर पावर सिस्टम लगाए जाएंगे। 2032 तक इंसानों के रहने के लिए सेमी-परमानेंट घर बनाने की योजना है।

दक्षिणी ध्रुव अहम क्यों है?

चांद का दक्षिणी ध्रुव इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि वहां जमी हुई बर्फ मिलने की संभावना है। इससे पीने का पानी, ऑक्सीजन और ईंधन तैयार किया जा सकता है। हालांकि कई वैज्ञानिकों का कहना है कि नासा की यह समयसीमा पूरी करना आसान नहीं होगा, क्योंकि इंसानों को सुरक्षित तरीके से चांद पर उतारना अभी भी सबसे बड़ी चुनौती है।

भारत ही नहीं यूरोप में भी आसमान से बरस रही आग, फ्रांस में 7 की मौत, ब्रिटेन में तापमान ने तोड़े रिकॉर्ड

लंदन, एजेंसी। यूरोप इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। हालात ऐसे हैं कि भारत की तरह यूरोप के कई देशों में भी आसमान से आग बरस रही है। फ्रांस में गर्मी से जुड़ी घटनाओं में कम से कम 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि ब्रिटेन में तापमान ने 100 साल पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक यूरोप में इस समय हीट डोम बना हुआ है। यह एक हाई प्रेशर सिस्टम होता है, जो बर्तन के ढक्कन की तरह काम करता है। इससे गर्म हवा ऊपर नहीं जा पाती और जमीन के पास ही फंसी रहती है। इसी वजह से तापमान तेजी से बढ़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह स्थिति कई दिनों या हफ्तों तक बनी रह सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण इसका असर और ज्यादा खतरनाक हो रहा है।

फ्रांस की जूनियर ऊर्जा मंत्री मौड ब्रेगॉन ने बताया कि देश में गर्मी से जुड़ी घटनाओं में 7 लोगों की मौत हुई है। इनमें 5 लोगों की मौत झील, नदी या समुद्र किनारे डूबने से हुई। वहीं 53 साल के एक धावक की पेरिस में रेस के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। इसके अलावा ल्योन शहर में एक महिला की हीटस्ट्रोक से जान चली गई। फ्रांस की खेल मंत्री मरिना फेरारी ने कहा कि तेज गर्मी की वजह से कुछ खेल प्रतियोगिताएं रद्द करनी पड़ी हैं। फ्रांस की मौसम एजेंसी ने सोमवार को मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया। मौसम विभाग का कहना है कि यह हीटवेव पूरे हफ्ते जारी रह सकती है। पेरिस और ब्रिटनी समेत कई इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान जताया गया।

लंदन में तापमान का रिकॉर्ड टूटा

ब्रिटेन में भी गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। लंदन के मशहूर केव गार्डन में तापमान 34।8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह मई महीने के पुराने रिकॉर्ड से 2 डिग्री ज्यादा है। ब्रिटेन ने 24 घंटे के अंदर दूसरी बार मई का सबसे गर्म दिन दर्ज किया है। लंदन में ट्रॉपिकल नाइट भी रिकॉर्ड की गई। इसका मतलब है कि रात में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गया। आमतौर पर यूरोप में रात के समय मौसम ठंडा हो जाता है, लेकिन इस बार लोगों को रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिली।

जलवायु परिवर्तन इसकी वजह

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इंसानों की वजह से बढ़ रहे जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी खतरनाक हीटवेव अब ज्यादा तेज और लंबे समय तक रहने लगी हैं। यही वजह है कि यूरोप में हर साल गर्मी के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं।

युगांडा से लौटी महिला की इबोला रिपोर्ट निगेटिव, आइसोलेशन में रखा गया था

नई दिल्ली। युगांडा से भारत लौटी एक महिला की इबोला जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। हल्के बदन दर्द की शिकायत के बाद उसे एहतियातन बेंगलुरु के सरकारी एपिडेमिक डिजीज हॉस्पिटल में आइसोलेशन में रखा गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मरीज की हालत सामान्य थी और शरीर दर्द के अलावा कोई गंभीर लक्षण नहीं पाए गए। उसका सैंपल जांच के लिए National Institute of Virology भेजा गया था, जहां रिपोर्ट इबोला निगेटिव आई।

अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला के प्रकोप बढ़ता जा रहा है, जिससे हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। इस बीच युगांडा से यात्रा करके आई एक महिला को बेंगलुरु के एक सरकारी अस्पताल में निगरानी के लिए अलग रखा गया है। अहमदाबाद के रास्ते पहुंची 28 साल की महिला को मंगलवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

महिला की हालत स्थिर

बताया जा रहा है कि महिला को हल्का बदन दर्द है, लेकिन कोई गंभीर लक्षण नहीं हैं और फिलहाल उसकी हालत स्थिर है। अधिकारियों के अनुसार, इबोला प्रभावित क्षेत्र से आई महिला को होटल से अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उसके नमूने को जांच के लिए राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (National Institute of Virology – NIV) भेजा गया था। जांच रिपोर्ट में इबोला वायरस की की पुष्टि नहीं हुई और महिला की रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

हालात पर सरकार की नजर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) ने स्पष्ट किया है कि भारत में अभी तक इबोला वायरस वायरस का कोई पॉजिटिव (Positive) मामला सामने नहीं आया है और सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है।एक बयान में मंत्रालय ने कहा कि वह इबोला की बदलती स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, खासकर अफ्रीका के कुछ हिस्सों में हाल ही में सामने आए प्रकोपों के बाद।

कांगो और युगांडा में इबोला वायरस का कहर

दरअसल कांगो और युगांडा में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। WHO ने युगांडा में तेजी से बढ़ रहे ईबोला के केस को देखते हुए यहां हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दिया है। WHO के मुताबिक डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला वायरस का तेजा के साथ फैलला चिंता का विषय है। युगांडा और कांगो में इबोला का प्रकोप अब तक के सबसे बड़े प्रकोपों में से एक है। इबोला एक गंभीर और अक्सर जानलेवा बीमारी है जो संक्रमित शारीरिक तरल पदार्थों के सीधे संपर्क से फैलती है। कांगो और युगांडा में इस वायरस से अबतक 220 लोगों की मौत हो गई है। शहरों के साथ ही यह वायरल छोटे कस्बों और अस्पतालों में भी फैल रह है तो चिंता की बात है।

आसाराम बापू को राहत नहीं, हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा रखी बरकरार... तुरंत सरेंडर का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। नाबालिग से यौन उत्पीड़न के केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम बापू को राजस्थान हाईकोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने आसाराम की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की डिवीजन बेंच ने आज (बुधवार। 27 मई) यह फैसला सुनाया।

हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच की डिवीजन बेंच ने बड़ा फैसला सुनाते हुए निचली अदालत द्वारा दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। फिलहाल पैरोल पर बाहर चल रहे आसाराम को कोर्ट ने तुरंत सरेंडर करने का आदेश जारी किया है। आसाराम अंतरिम जमानत पर है, लेकिन अब उन्हें सरेंडर करना होगा। दो दिन पहले ही उनकी जमानत की अवधि 7 जुलाई तक बढ़ाई गई थी।

शिल्पी और शरतचंद को सजा से राहत

कोर्ट ने आसाराम समेत तीन आरोपियों की तरफ से दायर अपीलों पर फैसला सुनाया। इस दौरान कोर्ट ने साफ किया कि नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा। हालांकि इस केस में सह आरोपी शिल्पी और शरतचंद को सजा से राहत मिली है। कोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया है।

रेप केस के आरोप में आसाराम गिरफ्तार

अगस्त 2013 में जोधपुर स्थित आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के साथ रेप केस के आरोप में आसाराम को गिरफ्तार किया गया था। लंबी सुनवाई के बाद जोधपुर की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 25 अप्रैल 2018 को उन्हें दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसी मामले में सह-आरोपियों शरद और शिल्पी को 20-20 साल की सजा दी गई थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सभी आरोपियों ने राजस्थान हाईकोर्ट में अपील दायर की थी।

हाईकोर्ट में 16 फरवरी से 20 अप्रैल 2026 तक डे-टू-डे सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष और अभियोजन पक्ष ने अपने-अपने पक्ष में विस्तृत दलीलें पेश कीं। बेंच ने 20 अप्रैल को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद इस मामले पर आज फैसला सुनाया गया।

क्या है मामला

दरअसल यह मामला तब में सुर्खियों में आया था, जब एक नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया था कि धार्मिक उपचार और आध्यात्मिक मार्गदर्शन के बहाने उसे आश्रम बुलाया गया, जहां उसके साथ यौन शोषण और दुष्कर्म किया गया। पुलिस जांच, मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर ट्रायल कोर्ट ने आसाराम को दोषी करार दिया था। फिलहाल आसाराम अभी पैरोल पर बाहर हैं।

डेविड धवन ने बताया तीन दशकों में कितनी बदली कॉमेडी की दुनिया, बोले – 'आप महिलाओं का अपमान ...'

फिल्ममेकर डेविड धवन ने कॉमेडी फिल्मों बनाने की बात की। इसके साथ ही उन्होंने अपने स्वास्थ और फिल्मों से रिटायर होने पर भी चर्चा की। अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर भी कई बातें की। फिल्म निर्माता डेविड धवन ने नब्बे के दशक में कई कॉमेडी हिट फिल्में दी हैं। अपने मुंबई में आयोजित डेविड धवन फिल्म फेस्टिवल में डेविड में कॉमडी फिल्मों के बारे में काफी कुछ बताया।

उन्होंने कहा, 'आज के समय में कॉमेडी फिल्मों की पहले से कहीं अधिक बारीकी से जांच की जाती है, आप महिलाओं का अपमान नहीं कर सकते। अब पहले के मुकाबले फिल्मों की ज्यादा सख्ती से जांच होती है।'

फिल्म बनाने से नहीं थकते

कभी अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए मशहूर डेविड धवन ने अपने निजी जीवन के बारे में भी बातें की। उन्होंने कहा कि वह भी थकान महसूस करते हैं। मगर फिल्म बनाते हुए वह कभी थकते। बीते दिनों फिल्ममेकर करण जौहर ने कहा था कि फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है।

कब रिलीज होगी फिल्म ?

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का निर्देशन डेविड धवन ने किया है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में डेविड के बेटे वरुण धवन लीड रोल में हैं। टिप्स और वाशु भगनानी के साथ फिल्म का विवाद भी चल रहा है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर भी मेकर्श द्वारा रिलीज किया गया है। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनन्या पांडे के बचाव में आईं कोरियोग्राफर, भरतनाट्यम को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हुईं थीं अभिनेत्री

फिल्म 'चांद मेरा दिल' की लीड एक्ट्रेस अनन्या पांडे की फिल्म में भरतनाट्यम करने की कोशिश करने के लिए ट्रोल किया जा रहा है। इस मामले पर अनन्या पांडे और फिल्म के मेकर्स ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। मगर गाने की असिस्टेंट कोरियोग्राफर ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्ट्रेस की कोशिशों और कुछ ही दिनों में भरतनाट्यम सीखने के उनके प्रयास का बचाव किया है।

फिल्म की एक असिस्टेंट कोरियोग्राफर अनन्या कुरुप ने अनन्या पांडे के साथ सेट के पीछे की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। जब एक्ट्रेस को आलोचना का सामना करना पड़ा, तो कुरुप ने उस पोस्ट पर कमेंट किया। उन्होंने एक्ट्रेस का बचाव किया और कहा कि अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर किसी क्लासिकल आर्ट फॉर्म को आजमाने के लिए हिम्मत और लगन की जरूरत होती है। उन्होंने आगे लिखा 'भरतनाट्यम एक ऐसी चीज है जिसके लिए डांसर वर्षों तक ट्रेनिंग लेते हैं ताकि वे इसकी अदा, हाव-भाव और तकनीक में माहिर हो सकें। अनन्या ने बहुत कम समय में सच्ची मेहनत और कोशिश की है। इसकी तारीफ होनी चाहिए।' कुरुप ने अपने नोट के आखिर में लोगों से अपील की कि वे उन कलाकारों का हौसला बढ़ाएं जो खुद को चुनौती देकर अपना सबसे अच्छा देने की कोशिश करते हैं, न कि उन्हें नीचा दिखाएं।

अनन्या पांडे को सोशल मीडिया पर भरतनाट्यम करने के लिए ट्रोल किया जा रहा है। इस बीच फिल्म की एक असिस्टेंट कोरियोग्राफर ने अनन्या पांडे का बचाव किया है।

क्या है डांस के पीछे की कहानी?

'चांद मेरा दिल' में, अनन्या के किरदार चांदनी को भरतनाट्यम फ्यूजन डांस के साथ पेश किया गया है। फिल्म में यह सीन इंजीनियरिंग कॉलेज के पहले दिन होता है। लक्ष्य का किरदार आरव शुरू में इस बात से अनजान होता है कि आगे क्या होने वाला है। जब चांदनी अपना भरतनाट्यम शुरू करती है, तो आरव उसे जज करता है। लेकिन जैसे ही वह मॉडर्न बीट पर थिरकना शुरू करती है, आरव उससे प्रभावित हो जाता है। यहीं से उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत होती है।

कब रिलीज हुई फिल्म?

विवेक सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म 'चांद मेरा दिल' दो स्टूडेंट्स की कहानी है। यह फिल्म 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 'चांद मेरा दिल' में परेश पाहुजा, मनीष चौधरी, इरावती हर्षे और चारू शंकर भी नजर आए हैं।

पेद्दी से राम चरण, जाह्नवी कपूर और श्रुति हासन का धमाकेदार डांस नंबर 'हेल्लाल्लालो' हुआ रिलीज

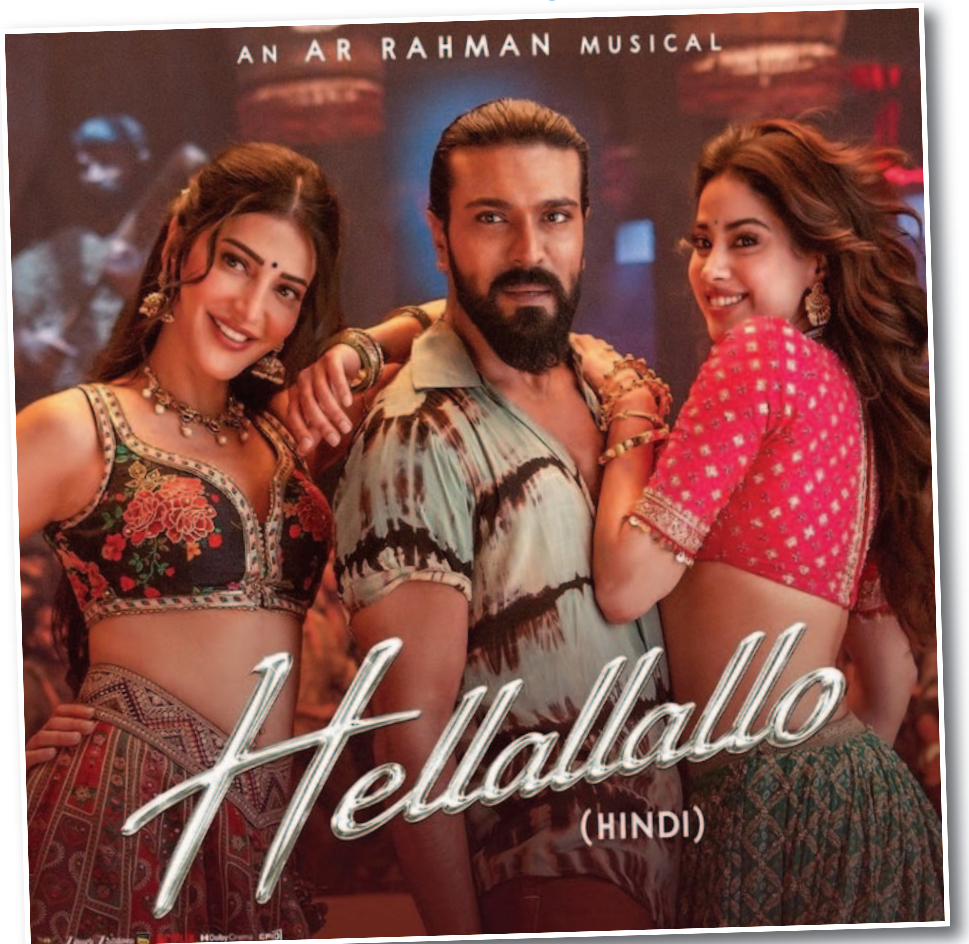

राम चरण और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेद्दी' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चा में बनी हुई है। ट्रेलर के बाद अब इसका नया पेद्दी का गाना 'हेल्लाल्लाल्लो' भी सामने आ गया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है।

फिल्म की कहानी कई खेलों के बीच बुनी गई है, जिसमें गांव के मैदानों से लेकर बड़े इंटरनेशनल स्टेडियम तक का सफर दिखाया गया है। जो वाकई दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधकर रखता है।

एक तरफ जहाँ इसके ट्रेलर ने देश भर में तहलका मचा दिया है, वहीं मेकर्स ने अब फिल्म का एक और नया गाना हेल्लाल्लाल्लो रिलीज़ कर दिया है। इस गाने में इतनी ज़बरदस्त और क्रेजी एनर्जी है कि ये पूरे देश को थिरकने पर मजबूर कर सकती है।

अपने सोशल मीडिया पर पेद्दी का नया गाना हेल्लाल्लाल्लो रिलीज़ करते हुए मेकर्स ने एक बेहद कैची कैप्शन लिखाः

अब हेलो को कहें अलविदा, अब से हर तरफ गूंजेगा सिर्फ 'हेल्लाल्लाल्लो', और हेल्लाल्लाल्लो वीडियो सॉन्ग रिलीज हो गया है फिल्म 4 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में दस्तक देंगी।

भोपाल में 23 मई को फिल्म पेद्दी के लिए अब तक के सबसे बड़े म्यूजिकल इवेंट को ऑर्गेनाइज किया गया। इस शानदार इवेंट में फिल्म की पूरी स्टार कास्ट शामिल हुई, जिसमें राम चरण, जाह्नवी कपूर, रवि किशन, शिवा राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू के साथ-साथ डायरेक्टर बुची बाबू सना और लेजेंड्री म्यूज़कि कंपोज़र ए। आर। रहमान भी मौजूद रहे। गानों, पोस्टर्स, टीज़र और ट्रेलर के बैक-टू-बैक ज़बरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, अब ये नया गाना फिल्म के एक और ब्लॉकबस्टर एसेट के रूप में सामने आया है, जिसने निश्चित रूप से फिल्म की रिलीज़ को लेकर फैंस को एक्साइटेड को दोगुना कर दिया है।

आपको बता दें कि राम चरण पेद्दी में एक क्रॉसओवर एथलीट की किरदार निभाते नज़र आएंगे।

बुची बाबू सना द्वारा लिखित और डायरेक्टेड पेद्दी में राम चरण मुख्य किरदार में हैं। उनके साथ शिवा राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू जैसे शानदार कलाकार नज़र आएंगे, जो इस फिल्म के स्केल और इम्पैक्ट को और भी ज्यादा बढ़ाते हैं।

इसके साथ ही फिल्म के पीछे एक मजबूत और शानदार टेक्निकल टीम भी काम कर रही है। इसमें ऑस्कर विजेता ए। आर। रहमान का संगीत, आर। रथनावेलु की सिनेमैटोग्राफी, अविनाश कोल्ला का प्रोडक्शन डिज़ाइन, नवीन नूली की एडिटिंग और वी। वाई। प्रवीण कुमार का एग्जीक्यूटिव प्रोडक्शन शामिल है, यही टीम फिल्म को बड़े पर्दे पर और भी खास बनाने में अहम भूमिका निभा रही है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 . Website : aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com